देश की आवाज

हमारा स्वराज

भोपाल, इंदौर, उज्जैन से प्रकाशित

www.hamaraswaraj.com twitter.com/hamaraswaraj facebook.com/hamaraswaraj

इंदौर, शुक्रवार, 23 मई 2025

वर्ष: 10| अंक: 130 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 2 रुपए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के बीकानेर में जनसभा में पाकिस्तान को लेकर गरजे

मेरी नसों में गरम सिंदूर, मेरा दिमाग ठंडा लेकिन लहू गरम

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर में एक जनसभा को संबोधित करने के लिए पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने पाकिस्तान और आतंकवाद पर तीखा हमला किया। पीएम मोदी ने कहा पाकिस्तान भारत से कभी सीधी लड़ाई नहीं जीत सकता। इसलिए आतंकवाद को भारत के खिलाफ हथियार बनाया है। पाकिस्तान एक बात भूल गया कि अब मां भारती का सेवक मोदी यहां सीना तानकर खड़ा है। मोदी का दिमाग ठंडा है, ठंडा रहता है, लेकिन मोदी का लहू गर्म है। अब तो मोदी की नसों में लहू नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा है।प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, "पाकिस्तान ने नाल एयरबेस को निशाना बनाया, लेकिन भारत ने उसकी साजिश को नाकाम कर दिया। वहीं, पाकिस्तान के रहिमयारखान एयरबेस को हम ने इस कदर नुकसान पहुंचाया कि वह अब ICU में पड़ा है और कब ठीक होगा, यह पता नहीं।" पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच न तो व्यापार होगा, न ही कोई बातचीत, और अगर बात होगी, तो वह सिर्फ कश्मीर और

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (POK) पर होगी।

पाकिस्तान को पानी नहीं मिलेगा

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान को भारत के पानी का कोई हक नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा, "यह भारत का ठेका और संकल्प है, और कोई भी ताकत इस संकल्प को रोक नहीं सकती।" मोदी ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा, "जो पाकिस्तान आतंकवादियों का समर्थन करेगा, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।"

न्याय का नया स्वरूप है ऑपरेशन सिंदूर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर बदले का खेल नहीं, बल्कि यह न्याय का एक नया तरीका है। उन्होंने इसे "एक मजबूत भारत की ताकत" बताया और कहा, "यह गुस्सा नहीं, बल्कि भारत का नया रूप है। पहले दुश्मन हमारे घर में घुसकर हमला करता था, लेकिन अब हमने सीधे उनके सीने पर प्रहार किया है।"

ऑपरेशन सिंदूर ने तय किए आतंकवाद से लड़ने के नए नियम

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन ने आतंकवाद से लड़ने के लिए तीन अहम नियम तय किए हैं।

तेज और कड़ा जवाब: अगर भारत में कोई आतंकी हमला करेगा, तो उसे तुरंत और कड़ा जवाब मिलेगा। इसे देश के खिलाफ युद्ध माना जाएगा, और जवाब देने का समय भारतीय सेना तय करेगी।

धमकी से डरेंगे नहीं : भारत अब किसी भी परमाणु धमकी से डरने वाला देश नहीं है।

आतंकवाद और उसके समर्थकों को एक जैसा समझना: आतंकवादियों और उन्हें समर्थन देने वाली सरकार को समान माना जाएगा। पाकिस्तान को अब 'स्टेट' और 'नॉन-स्टेट' के खेल को खत्म करना होगा, और पूरी दुनिया में पाकिस्तान की सच्चाई सामने लाने के लिए सात अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल काम करेंगे।

मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर कविता सुनाई

जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें मिट्टी में मिलाया है।
जो हिंदुस्तान का लहू बहाते थे, आज कतरे-कतरे का हिसाब चुकाया है।
जो सोचते थे भारत चुप रहेगा, आज वो घरों में डूब-डूबकर पड़े हैं।
जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे, आज वो मलबे के ढेर में दबे हैं।
ये शोध-प्रतिशोध का खेल नहीं, ये न्याय का नया स्वरूप है।
ये ऑपरेशन सिंदूर है, ये सिर्फ आक्रोश नहीं है ये समर्थ भारत का रौद्ररूप है। ये भारत का नया स्वरूप है।
पहले घर में घुसकर किया था वार, अब सीधा सीने पर किया प्रहार है।
आतंक का फन कुचलने की यही नीति है।
यही रीति है, यही भारत है, नया भारत है।

पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर किया

22 अप्रैल को आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था। गोलियां पहलगाम में चली थीं, उन गोलियों से 140 करोड़ देशवासियों का सीना छलनी हुआ था। तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी थी और तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। पहलगाम हमले के जवाब में हमने 22 मिनट में आतंकियों के 9 सबसे बड़े ठिकाने तबाह किए। दुनिया ने देखा कि जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो नतीजा क्या होता है? पांच साल पहले बालाकोट में देश ने एयरस्ट्राइक की थी। उसके बाद मेरी पहली जनसभा राजस्थान में हुई थी।

पीएम ने 18 स्टेशनों का किया लोकार्पण, अमृत स्टेशन योजना के तहत हुआ कायाकल्प

हमारा स्वराज। अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण तथा उनके विजन के संकल्प के फलस्वरूप देश को अमृत स्टेशन योजना की भेंट मिली है। इस योजना अंतर्गत देश के 1300 से अधिक स्टेशनों का कायाकल्प कर उनका पुनर्विकास किया जा रहा है। गुजरात के 87 स्टेशनों का भी 6303 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिकीकरण हो रहा है।प्रधानमंत्री ने 164 करोड़ रुपए की लागत से गुजरात के पुनर्विकसित हो चुके 18 रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल लोकार्पण गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर में आयोजित कार्यक्रम में किया।

वर्चुअल लोकार्पण किया

सीएम पटेल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब से देश का सेवा दायित्व संभाला है, तब से सेना से लेकर आम आदमी तक की सुविधा, सज्जता एवं स्वास्थ्य सुविधा के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने विशिष्ट विजन तथा राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ रेलवे के कायाकल्प, स्टेशनों के आधुनिकीकरण एवं यात्री सुविधा के नूतन आयाम शुरू किए हैं। अमृत स्टेशन योजना अंतर्गत गुजरात के जिन

18 स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य पूरा हुआ है और जिनका प्रधानमंत्री ने वर्चुअल लोकार्पण किया है; उनमें शिहोर जंक्शन, उतराण, डाकोर, डेरोल, हापा, जामजोधपुर, जामवंथली, कानालुस जंक्शन, करमसद, कोसंबा जंक्शन, लींबडी, महुवा, मीठापुर, मोरबी, ओखा, पालीताणा, राजूला जंक्शन तथा सामख्याळी स्टेशन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री ने दुनिया को यह दिखा दिया है कि यदि लोगों की अच्छी सेवा करने की इच्छा शक्ति और विकास की राजनीति की प्रतिबद्धता हो, तो सुशासन द्वारा रेलवे सेवाओं में कैसे क्रांतिकारी परिवर्तन लाए जा सकते हैं।

गुजरात में 97 प्रतिशत रेलवे रूट विद्युतीकृत हो चुके हैं

पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशादर्शन में 2014 से अब तक राज्य में 3144 किलोमीटर रेलवे लाइन का विद्युतीकरण हुआ है। इसके साथ; गुजरात में 97 प्रतिशत रेलवे रूट विद्युतीकृत हो चुके हैं। इतना ही नहीं; 2025-26 में रेलवे बजट में गुजरात के लिए 17,155 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आवंटन पूर्व के वर्ष 2009 से 2014 के कालखंड में आवंटित किए गए बजट से औसत 29 गुना अधिक है।

जयशंकर बोले- पाकिस्तानी आर्मी चीफ मुनीर धार्मिक कट्टरपंथी...

उनके भाषण के 5 दिन बाद पहलगाम हमला हुआ

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर को धार्मिक कट्टरपंथी बताया है। उन्होंने गुरुवार को एक डच समाचार पत्र डे वोल्क्सक्रांत को दिए इंटरव्यू में कहा कि पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर के विचारों और व्यवहार में धार्मिक कट्टरता साफ नजर आती है। मुनीर यह दिखावा न करें कि वे आतंकवाद से पीड़ित हैं। पाकिस्तान सरकार और सेना सीमा पार आतंकवाद में शामिल है।

जयशंकर ने असीम मुनीर के भाषण का भी जिक्र किया। इसमें उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान के लिए गले की नस बताया था। मुनीर ने कहा था कि पाकिस्तान के लोग कभी भी यह नहीं भूल सकते कि वे हिंदुओं से अलग हैं। मुनीर ने बच्चों को जिन्ना के दो-राष्ट्र सिद्धांत की कहानी सुनाने की वकालत की थी, ताकि वे समझ सकें कि बंटवारा क्यों हुआ था। इस घटना के 5 दिन बाद ही पहलगाम आतंकी हमला हुआ।

जयशंकर ने कहा- पहलगाम में हुआ हमला एक बर्बर कृत्य था, जिसका मकसद कश्मीर में टूरिज्म को नुकसान पहुंचाना और धार्मिक विवाद को भड़काना था। जयशंकर ने पाकिस्तान को आतंकवाद का केंद्र बताया। उन्होंने कहा वहां एक्टिव आतंकी गुटों को पाकिस्तानी सरकार से सपोर्ट मिलता है। नीदरलैंड्स की मीडिया को दिए इंटरव्यू में जयशंकर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए सीधे बातचीत हुई थी। उन्होंने बताया कि भारत ने सभी देशों को यह साफ बोल दिया था कि अगर पाकिस्तान गोलीबारी बंद करना चाहता है, तो उसे भारत के जनरल को फोन करके यह बताना होगा।

अमेरिका की जंग रोकने में भूमिका के सवाल पर जयशंकर ने कहा कि जब संघर्ष हो रहा था, अमेरिका समेत कई देशों ने समझौते की कोशिश की थी। अमेरिका सिर्फ अकेला ऐसा देश नहीं था। कुछ और देश भी बात कर रहे थे, लेकिन मैं यह साफ करना चाहता हूं कि गोलाबारी रोकने का फैसला भारत और पाकिस्तान ने आपसी बातचीत के बाद लिया। उन्होंने कहा कि हमारे पास एक हॉटलाइन है जिससे हम सीधे बात कर सकते हैं। 10 मई को पाकिस्तान की सेना ने संदेश भेजा कि वे गोलाबारी रोकने के लिए तैयार हैं। इसके बाद पाकिस्तान और भारत के सैन्य अधिकारी एक-दूसरे से बात करने के बाद संघर्ष विराम पर सहमत हुए।

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुरक्षित

वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है यह धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की वैधता को चुनौती देनी वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई खत्म हुई। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को सुरक्षित रख लिया है। याचिकाकर्ताओं ने कानून को मुसलमानों के अधिकारों के खिलाफ बताया और अंतरिम रोक लगाने की मांग की। उधर, केंद्र सरकार ने कानून के पक्ष में दलीलें रखीं। आखिरी दिन बहस सरकार की उस दलील के आसपास रही, जिसमें कहा कि गया कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, लेकिन यह धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए यह मौलिक अधिकार नहीं है।

वक्फ को इस्लाम से अलग एक परोपकारी दान के रूप में देखा जाए या इसे धर्म का अभिन्न हिस्सा माना जाए। इस पर याचिकार्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने कहा, ' परलोक के लिए.... वक्फ ईश्वर को समर्पण है। अन्य धर्मों के विपरीत, वक्फ ईश्वर के लिए दान है।' तभी CJI बीआर गवई ने कहा, धार्मिक दान केवल इस्लाम तक सीमित नहीं है। हिंदू धर्म में भी 'मोक्ष' की अवधारणा है। दान अन्य धर्मों का भी मूल सिद्धांत है। तभी जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने भी सहमति जताते हुए कहा, 'ईसाई धर्म में भी स्वर्ग की चाह होती है।'

केंद्र की दलीलें : SG तुषार मेहता ने सेक्शन 3E पर बात की। कहा कि सेक्शन 3E अनुसूचित क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली भूमि पर वक्फ के निर्माण पर रोक लगाता है। यह प्रोविजन अनुसूचित जनजाति के संरक्षण के लिए था। अनुसूचित क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है। मान लीजिए कि मैं जमीन बेचता हूं और पता चलता है कि जमीन के लेन-देन में ST समुदाय के व्यक्ति के साथ धोखा हुआ है तो जमीन वापस दी जा सकती है, लेकिन वक्फ कहता है कि दान दी गई जमीन को वापस नहीं लिया जा सकता।

चीफ जस्टिस गवई ने इसके पीछे का तर्क पूछा तो SG मेहता ने कहा कि वक्फ का निर्माण अपरिवर्तनीय है और इससे कमजोर आदिवासी आबादी के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

CBI ने पूर्व राज्यपाल मलिक पर कसा शिकंजा

2200 करोड़ की गड़बड़ी में फंसे, चार्जशीट दाखिल

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक समेत 5 लोगों के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला करीब 2,200 करोड़ रुपए के सिविल वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट में गड़बड़ी को लेकर है। CBI ने इसी मामले को लेकर 22 फरवरी 2024 को सत्यपाल मलिक के ठिकाने पर छापा मारा था। साथ ही दिल्ली में 29 अन्य ठिकानों पर भी रेड की थी। दरअसल, सत्यपाल

मलिक ने 17 अक्टूबर 2021 को कहा था कि उन्हें जम्मू-कश्मीर का राज्यपाल रहते 300 करोड़ की रिश्वत ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। इसके बाद CBI ने अप्रैल 2022 में जम्मू-कश्मीर सरकार के कहने पर मामला दर्ज किया था। मलिक अगस्त 2018 से अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे। चार्जशीट दाखिल होने के बाद सत्यपाल मलिक ने सोशल मीडिया पर कहा कि वो अस्पताल में भर्ती हैं और किसी से बात करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने लिखा कि उन्हें शुभचिंतकों के फोन आ रहे हैं, लेकिन वो जवाब नहीं दे पा रहे।

फिर कोरोना : गुजरात में 15 संक्रमित, हरियाणा में तीन मामले

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

कोरोना वायरस देश में एक बार फिर पैर पसारने लगा है। देश के अलग-अलग हिस्सों में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है। ओडिशा में जहां ढाई साल बाद कोविड-19 का एक नया मामला सामने आया। वहीं, गुजरात में 15 मामले सामने आए हैं। वहीं, हरियाणा में तीन मामले दर्ज किए गए।

ओडिशा में ढाई साल बाद कोरोना वायरस का एक नया मामला सामने आया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सचिव एस. अश्वथी ने बताया कि मरीज की हालत स्थिर है, लेकिन चिंता की बात यह है कि संक्रमित व्यक्ति को कई अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हैं। अब तक, केंद्र सरकार या राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) ने कोरोना वायरस के प्रसार पर कोई सलाह जारी नहीं की है। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य विभाग को स्थिति की निगरानी करने के लिए कहा गया है और हम सतर्क हैं।उपलब्ध जानकारी के अनुसार, भारत के विभिन्न हिस्सों में कोविड-19 मामले सामने आ रहे हैं और मरीज हल्के स्ट्रेन से संक्रमित पाए जा रहे हैं, जिनमें गंभीरता का खतरा बहुत कम है। अश्वथी ने कहा, चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। हम स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और केंद्र या एनसीडीसी से नई सलाह का इंतजार कर रहे हैं। जब हमें यह मिलेगी, तो हम आवश्यक कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि अब तक जनता के लिए कोई सलाह जारी नहीं की गई है। उन्होने दावा किया स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। सूत्रों के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति का उपचार यहां एक निजी अस्पताल में चल रहा है। ओडिशा सरकार के कोविड-19 डैशबोर्ड के अनुसार, राज्य में 8 नवंबर 2022 को 26 मामले सामने आए थे।

गुजरात में एक लंबे अंतराल के बाद कोविड-19 के 15 नए मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने लोगों से घबराने की अपील की है क्योंकि यह वैरिएंट कम गंभीर है। अतिरिक्त निदेशक (लोक स्वास्थ्य) डॉ. नीलम पटेल ने कहा कि गुजरात या भारत के लिए इस समय बड़ी चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन, थाईलैंड और सिंगापुर जैसे देशों में हाल के हफ्तों में हजारों मामले सामने आए हैं और यह स्वाभाविक है कि यह संक्रमण भारत में भी फैल गया है क्योंकि लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर यात्रा करते हैं। इन 15 मरीजों में से एक ने सिंगापुर की यात्रा की थी। हरियाणा के गुड़गांव और फरीदाबाद में कोविड-19 के तीन मामले सामने आए हैं। गुड़गांव में दो और फरीदाबाद से एक मामला दर्ज हुए। अधिकारी ने कहा, गुड़गांव में एक महिला (31 वर्षीय) पॉजिटिव पाई गई। महिला हाल ही में मुंबई से लौटी थी। एक 62 वर्षीय व्यक्ति भी संक्रमित पाया गया, जिनकी यात्रा का इतिहास नहीं था।

बीआरटीएस में कार्यरत कंपनी पर गंभीर संदेह

महापौर ने दिए तत्काल जांच के निर्देश

हमारा स्वराज। इंदौर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने गुरुवार को मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि बीआरटीएस (बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) में फेयर-कलेक्शन और टिकटिंग के कार्य के लिए नियोजित कंपनी 'ASIS इलेक्ट्रॉनिक्स' पर गंभीर संदेह सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस कंपनी का सीधा या अप्रत्यक्ष संबंध उस कंपनी से हो सकता है जिसने पाकिस्तान को ड्रोन सप्लाई किए थे।

जांच के आदेश और संभावित कार्रवाई

महापौर भार्गव ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि यदि यह कंपनी उस संदिग्ध कंपनी की सिस्टर कंसर्न है या कोई भी वित्तीय या कारोबारी संबंध पाया जाता है, तो तत्काल प्रभाव से जांच की जाए।जांच के उपरांत यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो कंपनी का अनुबंध समाप्त किया जाए।

कंपनी की पृष्ठभूमि और कार्य विवरण की जांच

महापौर ने बताया कि कंपनी की प्रक्रिया 2016 में प्रारंभ हुई थी तथा कार्य 2019 से शुरू हुआ।यह कंपनी बीआरटीएस में टिकटिंग व फेयर-कलेक्शन का कार्य कर रही है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि यह जांचा जाए कि कंपनी को वर्क ऑर्डर कब जारी हुआ? फील्ड में कार्य कब शुरू हुआ? चार्ज प्रणाली (फिक्स्ड या परफॉर्मेंस आधारित) क्या रही?

बीआरटीएस का निकट भविष्य और ठेके का अंत

महापौर ने यह भी कहा कि "चूंकि बीआरटीएस परियोजना आगामी समय में समाप्त होने जा रही है, अतः इससे संबंधित सभी अनुबंधों की समीक्षा कर समाप्ति की दिशा में कार्य किया जाएगा।"

राष्ट्रीय भावना और जनभावनाओं का सम्मान

महापौर भार्गव ने यह भी कहा कि देश में देशभक्ति की भावना से प्रेरित होकर, कई लोगों ने ऐसे विदेशी उत्पादों और सेवाओं का उपयोग करने से स्वयं इनकार किया है जिनका संबंध पाकिस्तान जैसे राष्ट्र से है जो भारत की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी कंपनी की तकनीक, कार्य प्रणाली या व्यापार से देश को आर्थिक या सामाजिक नुकसान हो सकता है, तो उसकी भी पूर्ण जांच कराई जाएगी। नगर पालिक निगम इंदौर यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भी ऐसी कंपनी को शहर में कार्य न करने दिया जाए जिसका किसी भी रूप में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से संबंध हो। यह कदम सुरक्षा, पारदर्शिता और जनभावनाओं के संरक्षण के लिए आवश्यक है।

राइफल सिखाने के नाम पर अश्लील हरकतें, वीडियो बनाए

शूटिंग एकेडमी का कोच मोहसिन गिरफ्तार मोबाइल में मिले कई छात्राओं के वीडियो

हमारा स्वराज। इंदौर

इंदौर में राइफल शूटिंग एकेडमी में नाबालिग छात्रा से अश्लील हकरतें कर वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी कोच मोहसिन खान को गिरफ्तार कर लिया है। उसके मोबाइल में 100 से ज्यादा वीडियो होने का दावा है। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल जब्त कर लिया है। इसकी फॉरेंसिक जांच की जाएगी।

घटना अन्नपूर्णा इलाके की है। छात्रा ने पहले हिंदूवादी संगठनों से इसकी शिकायत की। जिसके बाद हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता उसे लेकर बुधवार को थाने पहुंचे थे। यहां छात्रा की शिकायत पर ड्रीम ओलिपिंक एकेडमी के कोच मोहसिन खान के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता का आरोप है कि कोच कई छात्राओं के साथ ऐसी हरकतें कर चुका है। उसने वीडियो और फोटो भी पुलिस को दिए हैं। मोहसिन का एक भाई भी राऊ इलाके के एक नामी स्कूल में शूटिंग की कोचिंग देता है।

एसीपी ने कहा- डिलीट फोटो-वीडियो रिकवर करेंगे

एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित ने गुरुवार को बताया कि छात्रा द्वारा उपलब्ध कराए गए वीडियो-फोटो की जांच की जा रही है। आरोपी मोहसिन खान का मोबाइल से डिलीट किए गए वीडियो-फोटो और अन्य जानकारियों को रिट्राइव किया जाएगा। पता लगाया जा सके कि ये किसी बड़े गिरोह से तो नहीं जुड़ा है। एसीपी सिंह ने कहा कि भोपाल में हुए लव जिहाद से इसका कोई कनेक्शन नहीं है।

बोला- प्रैक्टिस करना है तो जैसा कहूं वैसा करना पडेगा

छात्रा ने पुलिस को अपने बयान में बताया कि वह इस एकेडमी में राइफल सीखती है। यहां कोच सलीम शूटिंग राइफल की ट्रेनिंग देता है। साल 2021 से साल नवंबर 2023 तक मोहसिन खान की एकेडमी में शूटिंग की। सुबह 12 बजे से शाम 6 बजे तक वहीं रहकर प्रैक्टिस करती थी।

छात्रा जब मोहसिन से प्रैक्टिस के लिए और समय की मांग करती तो मोहसिन कहता था कि मैं जैसा कहूं वैसा करना पड़ेगा, तभी अतिरिक्त समय दूंगा। पीड़ित छात्रा ने बताया कि शूटिंग में ज्यादा समय बिताने और करियर बनाने की बात कहकर वह युवतियों से मनचाहा काम कराता है। न करने पर करियर बर्बाद करने की धमकी देता है।

छात्रा ने आरोप लगाए

मै मल्हारगंज इंदौर की रहने वाली हूं। ड्रीम ओलिंपिक एकेडमी सिल्वर ऑक्स कॉलोनी में प्रेक्टिस करती हूं। मेरी एकेडमी का कोच मोहसिन खान पिता सलीम खान उम्र 38 साल निवासी सिल्वर ऑक्स कालोनी दत्त मंदिर के पास इंदौर एयर राइफल की शूटिंग सिखाता है। मैं साल 2021 से साल 2023 नवंबर तक मोहसिन खान की एकेडमी में शूटिंग की प्रेक्टिस की थी। मैं दोपहर 12 से 6 बजे तक एकेडमी में ही रहती थी। इसी दौरान दिनांक 8 नवंबर 2023 को रोजाना की तरह शूटिंग की प्रेक्टिस करने एकेडमी गई थी। तभी मोहसिन सर आए और मुझे कहने लगे कि तूने राइफल गलत तरीके से पकड़ी है।

तू अभी तक सही से नहीं सीख पाई है मैं तुझे सिखाता हूं राइफल कैसे पकड़ते हैं और उन्होंने राइफल पकड़ने के बहाने से मेरे सीने पर बैड टच किया था और मेरी जांघ को भी दबा दिया था। मैंने उन्हें धक्का दिया और लात मारी और मैंने सर से कहा कि आपने मेरे साथ इतनी गंदी हरकत करने की कोशिश भी कैसे की।

तो वह मुझसे कहने लगे कि तुझे मेरी एकेडमी में प्रैक्टिस करना है तो जैसा मैं कहूंगा तुझे वैसा करना पड़ेगा। यदि तूने मेरी बात नहीं मानी तो मैं तेरा करियर बर्बाद कर दूंगा इसके बाद मैं वहां से अपने घर आ गई थी। इस घटना से मैं बहुत डर गई थी और मैंने एकेडमी जाना बंद कर दिया था।

फिर कुछ दिन बाद मेरी मम्मी ने मुझसे पूछा कि तूने एकेडमी जाना क्यों बंद कर दिया है, तब मैने उन्हें सारी बात बताई। मेरे पापा हम लोग के साथ नहीं रहते हैं घर पर मम्मी व मैं ही हूं, इसलिए हमने डर व शर्म के कारण रिपोर्ट नहीं लिखवाई थी। फिर अभी कुछ समय पहले मुझे पता चला कि मोहसिन सर का कैरेक्टर खराब है। वह इसी तरह की हरकतें करते हैं तो आज मैं अपने भाई के साथ अपने साथ हुई घटना की रिपोर्ट लिखवाने आई हूं।

हिंदू संगठनों का दावा, 100 से ज्यादा युवतियां को शिकार बनाया

पीड़ित छात्रा के साथ पहुंचे हिंदू संगठन के सदस्यों का दावा है कि आरोपी मोहसिन खान ने 100 से ज्यादा युवतियों को शिकार बनाया है। इसके वीडियो और चैट होने का भी दावा किया जा रहा है। बजरंग दल के पप्पू कोचले ने कहा कि हमने पुलिस से शिकायत की है कि इसमें मोहसिन के अलावा और लोग भी शामिल हो सकते हैं। सभी की पहचान कर गिरफ्तार किया जाना चाहिए। ताकि पूरा रैकेट सामने आ सके।

और पीडिताएं सामने आईं तो जांच का दायरा बढाएंगे

एसीपी अमित सिंह ने बताया कि शूटिंग में आने वाली अन्य छात्राओं से भी बात की जाएगी। यदि छात्राएं या पीड़िताएं आगे आती हैं तो जांच का दायरा बढ़ाया जाएगा। मोहसिन के मोबाइल में काफी अश्लील वीडियो मिले हैं। जिसमें अन्य छात्राओं के साथ भी वह हरकतें करते दिख रहा है।

:बारिश के कारण आई तकनीकी समस्याएं, मेयर ने किया दौरा

100 दिन में पुलिया का काम करने के निर्देश

हमारा स्वराज। इंदौर

पाटनीपुरा से मालवा मिल चौराहा के बीच नए पुल को बनाने का काम तेजी से चल रहा है। पुल का काम समय पर पूरा करने के निर्देश महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने दिए हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नगर निगम सभापति मुन्ना लाल यादव, जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर व निगम अधिकारियों ने आज पुल का निरीक्षण किया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर की एक महत्वपूर्ण पुलिया को बड़ी करके शहर की कनेक्टिविटी और ट्रैफिक की दृष्टि से निर्णय लिया था। मालवा मिल से पाटनीपुरा चौराहे के बीच की जो पुलिया थी उसे बड़ा करने का टेंडर किया, उसकी एजेंसी आई है। आज यहां का दौरा किया है। यहां के काम से हम संतुष्ट है, लेकिन हमने निर्देश दिए है कि आने वाले 100 दिनों में इसका काम जल्दी से पूरा हो जाए।

संभवतः एक तरफ से टू व्हीलर का ट्रैफिक शुरू हो जाए तो उसकी संभावनाओं पर भी बात की है। ये शहर को कम समय में बनने वाली बड़ी सौगात होगी। पिछले दिनों जो बारिश आई थी, उसमें कई सारी तकनीकी समस्याएं है जिस गति से काम चल रहा है उम्मीद है कि काम समय पर पूरा हो जाएगा।

30 मीटर चौड़ा और 18 मीटर लंबा होगा पुल

यह पुल 30 मीटर चौड़ा और 18 मीटर लंबा होगा। जिसे बनाने की लागत करीब 6 करोड़ रुपए आंकी गई है। इस पुल के बनने से पाटनीपुरा और मालवा मिल चौराहा के बीच ट्रैफिक अत्यधिक सुगम हो जाएगा, जिससे आमजन को काफी राहत मिलेगी। पुल निर्माण को इंदौर वासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात बताते हुए महापौर ने कहा कि यह परियोजना शहर की बढ़ती ट्रैफिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक अहम पहल है। निगम का उद्देश्य है कि सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से पूरा हों, ताकि लोगों को जल्द ही इनका लाभ मिल सके।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का नाम सोम्या गेहलोद (Somya Gehlode) पिता स्व. अखिलेश गेहलोद है। मेरे द्वारा मेरी पुत्री सोम्या गेहलोद (Somya Gehlode) पिता स्व. अखिलेश गेहलोद का नाम बदल कर प्रांजल गेहलोद (Pranjal Gehlode) पिता स्व. अखिलेश गेहलोद किया जा रहा हैं` अतः भविष्य में मेरी पुत्री को अब प्रांजल गेहलोद (Pranjal Gehlode) पिता स्व. अखिलेश गेहलोद के नाम से जाना व पहचाना जाए।

प्रांजल गेहलोद
(Pranjal Gehlodi)

संत रविदास घाट पर लगेगा 16 फीट ऊंचा स्तंभ

हमारा स्वराज। उज्जैन

उज्जैन के शिप्रा नदी के तट पर भगवान रविदास को समर्पित एक भव्य कीर्ति स्तम्भ का निर्माण किया जाएगा, जिसकी ऊंचाई 16 फीट होगी। इस परियोजना का संचालन नगर निगम द्वारा किया जा रहा है, और इसकी लागत लगभग 20 लाख रुपए आंकी गई है।

महापौर मुकेश टटवाल ने जानकारी दी कि यह कीर्ति स्तम्भ संत रविदास घाट पर स्थापित किया जाएगा। इसमें भगवान रविदास की गाथाओं और लीलाओं का विस्तृत वर्णन किया जाएगा, साथ ही उनके चित्र भी लगाए जाएंगे। यह स्तम्भ धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा, जहां लोग भगवान रविदास के जीवन और शिक्षाओं के बारे में जान सकेंगे। इस स्तम्भ में मध्य भाग में पत्थरों का प्रयोग किया जाएगा, और इसके नीचे एक आधार स्तम्भ का निर्माण होगा। इसकी ऊंचाई 16 फीट होगी और यह तीन स्टैण्ड पर स्थापित किया जाएगा। कीर्ति स्तम्भ के निर्माण के लिए टेंडर जल्द ही जारी किया जाएगा। यह परियोजना अगले तीन महीनों में पूरी होने की उम्मीद है।

चक्रतीर्थ में स्थापित होगा 60 फीट ऊंचा और 15 फीट चौड़ा सुदर्शन चक्र

हमारा स्वराज। उज्जैन

उज्जैन के प्रतिष्ठित चक्रतीर्थ मुक्तिधाम (श्मशान घाट) पर जल्द ही एक अद्वितीय सुदर्शन चक्र का 60 फीट ऊंचा प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

यह चक्र लोगों को उज्जैन के पौराणिक महत्व और चक्रतीर्थ श्मशान की गाथा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।चक्रतीर्थ, जो शिप्रा नदी के किनारे स्थित प्राचीन श्मशान घाट है, अब नगर निगम द्वारा इस अद्भुत प्रतिमा के माध्यम से अपनी कहानी को जनता के सामने लाएगा। इस स्टैच्यू की लागत 80 लाख रुपए होगी और यह देश में किसी श्मशान में स्थापित होने वाला सबसे बड़ा स्टैच्यू होगा। इससे चक्रतीर्थ के नामकरण और इसके पीछे की पौराणिक गाथा को उजागर किया जाएगा।

बाल विनय मंदिर और स्वामी विवेकानंद स्कूल को मिलेगी सौगात

एक करोड़ की लागत से बनेंगे दो खेल मैदान

हमारा स्वराज। इंदौर

पहली बार इंदौर नगर निगम शहर के दो सरकारी स्कूलों में खेल मैदान तैयार कर रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और महापौर परिषद सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि नगर निगम द्वारा एक करोड़ रुपए की लागत से दोनों जगह बच्चों के खेलने का मैदान बनाया जाएगा। पहाड़िया ने बताया कि शासकीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर में 60.81 लाख रुपए की लागत से मैदान का विकास किया जाएगा। इसमें 2 डग आउट, 2 हैंडबॉल कोर्ट, 1 वालीबॉल कोर्ट, 1 खो-खो कोर्ट, 1 रोपवे मलखंभ, 1 लाल मिट्टी का 6 लेन का मॉर्निंग वॉक ट्रैक का निर्माण होगा। मलखंभमैदान का निर्माण एवं खेल मैदान को पूर्ण विकसित करने का कार्य किया जाएगा। इसके

साथ ही स्वामी विवेकानंद स्कूल में 35.47 लाख की लागत से खुला मैदान बनेगा। लाल मिट्टी के इस मैदान में आसपास दीवार बनाई जाएगी और जाली लगाई जाएगी, एंट्री गेट का निर्माण होगा और आने जाने का रास्ता छोड़कर पार्किंग निर्माण की जाएगी। दोनों ही जगह भूमिपूजन हो गया है, काम तेजी से किया जा रहा है। नया सत्र शुरू होने के समय तक बच्चों को कई सुविधाएं मिलने लगेंगी।

तीन महीने पहले ही सीएम मोहन यादव बाल विनय मंदिर आए थे। वहां पर उन्होंने बच्चों के साथ में भोजन कार्यक्रम में भाग लिया था। मुख्यमंत्री के साथ शहर के सभी प्रमुख अधिकारियों ने स्कूल के बच्चों के साथ में भोजन किया था और अपने अनुभव शेयर किए थे। बाल विनय मंदिर शहर का पहला सरकारी एक्सीलेंस इंग्लिश मीडियम स्कूल है जहां के बच्चे देश विदेश में बड़े पदों पर कार्यरत हैं।

बड़े खेल आयोजनों की राह खुलेगी : दोनों ही स्कूलों को खेल मैदान मिलने से शहर में बड़े खेल आयोजनों की राह खुलेगी। सरकारी विद्यालयों में बेहतर सुविधाएं वाले खेल मैदान मिलने से शहर के प्रमुख आयोजन यहां पर हो सकेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग सालभर कई खेल गतिविधियां करवाता है और कई प्रतिस्पर्धाएं होती हैं। उनके लिए यहां पर कई सुविधाएं मिल सकेंगी।

: इस साल नगर निगम ने जो बजट पेश किया है उसमें शहर के लिए कुल आठ हजार 174 करोड़ का बजट रखा गया है। मेयर पुष्यमित्र भार्गव के अनुसार इंदौर में मास्टर प्लान की 33 नई सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा हर वार्ड में एक ग्लोबल गार्डन बनेगा और उनमें योग शालाएं संचालित होंगी।

मध्यप्रदेश के प्रमुख दैनिक समाचार पत्र

हमारा स्वराज
भोपाल, इंदौर, उज्जैन से प्रकाशित

से जुड़ने का सुनहरा अवसर

(पत्रकारिता के क्षेत्र में अनुभवी व्यक्तियों को प्राथमिकता)

मध्यप्रदेश के सभी जिलों में जिला ब्यूरो एवं तहसील संवाददाता बनने हेतु इच्छुक व्यक्ति

आज ही सम्पर्क करें

hamara.swaraj@gmail.com
+91 9644567000 | 9406600127 | 9617457594 | 9009911734

भोपाल में पीएम सुरक्षा में तैनात रहेंगे 3 हजार जवान, आउटर नाके सील, होटल, लॉज और बाहरी किराएदारों का वेरिफिकेशन शुरू

हमारा स्वराज। भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को भोपाल आएंगे। देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के मौके पर जंबूरी मैदान में महिला सम्मेलन में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में करीब एक लाख महिलाएं शामिल होंगी। पीएम के संभावित दौरे को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा इंतजाम चॉक चौबंद कर दिए हैं। उनकी सुरक्षा को लेकर भोपाल पुलिस कमिश्नर हरीनारायणचारी मिश्रा ने तमाम आला अधिकारियों की गुरुवार को मीटिंग ली।

इस मीटिंग में पीएम की सुरक्षा से जुड़े अहम निर्देश पुलिस कमिश्नर ने अधीनस्थ अधिकारियों को दिए हैं। वहीं शहर के सभी आउटर नाकों को सील कर दिया गया है। चैकिंग के बाद ही बाहरी वाहनों को शहर की सीमा में प्रवेश दिया जा रहा है। इसी के साथ भोपाल की सभी होटल, लॉज, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर सघन चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

महिलाएं संभालेंगी सभी जिम्मेदारी

भोपाल में रहने वाले बाहरी व्यक्तियों और किराएदारों का वेरिफिकेशन शुरू कर दिया गया है। पीएम के आगमन के दिन भोपाल में करीब 3 हजार अतिरिक्त पुलिस जवान तैनात रहेंगे। सम्मेलन की खास बात यह होगी कि पूरी व्यवस्था महिलाओं के हाथों में होगी।

सम्मेलन में क्या-क्या होगा

- राज्य में महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं और उपलब्धियों की झलक सम्मेलन में दिखाई जाएगी।
- स्व सहायता समूहों की ओर से स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें महिलाओं के स्टार्टअप, उद्योग, नवाचार और सेव सिटी प्रोजेक्ट जैसी पहल दिखाई जाएंगी।
- महिलाओं के आने-जाने, बैठने, पानी और खाने-पीने की भी अच्छी व्यवस्था की जाएगी।

इंदौर मेट्रो को दिखा सकते हैं हरी झंडी : पीएम मोदी इंदौर मेट्रो को वर्चुअली हरी झंडी दिखा सकते हैं। इंदौर में प्रायोरिटी कॉरिडोर पर गांधी नगर से स्टेशन नंबर 3 के बीच फिलहाल मेट्रो चलाई जाएगी। हालांकि इंदौर में मेट्रो के कॉमर्शियल रन की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

एसपीजी के हाथ में होगी सुरक्षा व्यवस्था

एसपीजी की टीम ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल को अपने सुरक्षा घेरे में ले लेगी। एसपीजी के अधिकारी स्टेट हैंगर पर भी तैनात रहेंगे। इमरजेंसी हालात में पीएम को निकालने के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था भी रहेगी। भोपाल नगरीय पुलिस पीएम के कार्यक्रम स्थल के पांच किलोमीटर परिधि में ड्रोन, हॉट एयर बॅलून व फ्लाईंग ऑब्जेक्ट उड़ाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने वाली है। अगर कोई एसपीजी की बिना अनुमति ऐसा करता पाया जाएगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दो दर्जन से अधिक शादियां करके लूटने वाली दुल्हन का खुलासा

एक शादी के लेती थी 50 हजार से एक लाख

हमारा स्वराज। भोपाल

राजधानी भोपाल में रहकर सात महीनों के भीतर दो दर्जन से अधिक शादियां कर लाखों रुपये की ठगी करने वाली लुटेरी दुल्हन को लेकर कई खुलासे हो रहे हैं। वो एक शादी के 50 हजार से एक लाख रुपये लेती थी। बाकी इसके गिरोह में कई सदस्य शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार अनुराधा कुछ माह पहले भोपाल में सक्रिय एक फर्जी शादी कराने वाले गिरोह में शामिल हुई थी, लेकिन थोड़े ही समय में वह पूरे गिरोह का संचालन अपने तरीके से करने लगी। वह एजेंट्स को स्पष्ट रूप से कहती थी कि शादी के लिए 50 हजार से 1 लाख रुपये वह स्वयं लेगी, उसके बाद बाकी सौदा एजेंट्स की मर्जी पर होगा। वह साफ कर देती थी कि शादी के बाद वह दूल्हे के घर जाएगी, लेकिन सुहागरात नहीं मनाएगी। इसके लिए वह पहले से ही बहाने बना लेती थी। इसमें कभी मासिक धर्म, कभी रिश्तेदार की बीमारी या मृत्यु का बहाना, ताकि वह शोक में होने का नाटक कर सके। यदि दूल्हा शारीरिक संबंध के लिए दबाव डालता, तो वह एजेंट्स को उसे समझाने के लिए कहती थी। खुद उससे बात नहीं करती थी, जिससे भेद खुलने का खतरा न रहे। मानटाउन पुलिस ने विष्णु शर्मा की शिकायत पर अनुराधा के खिलाफ धोखाधड़ी और अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। अब पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी की संभावना भी जताई जा रही है।

खुद करती थी सौदे की बातचीत

गिरोह में आधा दर्जन से अधिक महिला और पुरुष शामिल हैं, जो अधिकतर शादियों की बातचीत करते थे। लेकिन कुछ मामले ऐसे भी आए, जिनमें लड़के ने खुद शादी की इच्छा जताई और सौदा तय किया। ऐसी स्थिति में अनुराधा स्वयं सीधे डील करती थी। वह खुद को पढ़ी-लिखी और समझदार दिखाती थी, और उसकी बातचीत सुनकर कई लोग चकित रह जाते थे। पुलिस पहले अनुराधा को केवल गिरोह का सदस्य मान रही थी, लेकिन उसके मोबाइल की जांच और पूछताछ के बाद जो तथ्य सामने आए हैं, वे बेहद चौंकाने वाले हैं। वह गिरोह के अन्य सदस्यों पर भी हावी रहती थी और उन्हें धमकाती थी कि यदि उन्होंने शादी की कोई बात छुपकर की या कोई ग्राहक फंसाया, तो वह स्वयं सौदा कर लेगी।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तारी से महज सात दिन पहले अनुराधा ने भोपाल के छोला इलाके में रहने वाले 'गब्बर' नामक युवक से शादी की थी और वह उसी के घर में रह रही थी। इसी दौरान राजस्थान के विष्णु शर्मा नामक युवक ने अनुराधा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई कि उसने उससे कोर्ट मैरिज की थी, और शादी के तीन दिन बाद ही नकदी, जेवर और मोबाइल लेकर फरार हो गई।

अमृत भारत स्टेशन योजना में मप्र के 6 स्टेशनों का पीएम ने किया लोकार्पण

सीएम यादव नर्मदापुरम से जुड़े, कहा - भोपाल के भेल में वंदे भारत और मेट्रो ट्रेन के कोच बनाए जाएंगे

हमारा स्वराज। भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 103 रेलवे स्टेशनों का वर्चुअली लोकार्पण किया। इनमें एमपी के 6 स्टेशन- नर्मदापुरम, श्रीधाम, कटनी साउथ, शाजापुर, सिवनी और ओरछा शामिल हैं। कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव नर्मदापुरम से जुड़े। उन्होंने कहा कि ये बदलते दौर का बदलता भारत है। भोपाल के भेल में वंदे भारत और मेट्रो ट्रेन के कोच बनाए जाएंगे। स्वामी विवेकानंद ने 1904 में कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी, आज हम इस अवधारणा को साकार होता देख रहे हैं। मोदी जी की डबल इंजन सरकार के साथ मध्यप्रदेश भी आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में प्रधानमंत्री ने भारत की ताकत दिखा दी है। ये मोदी जी की कूटनीति का ही नतीजा है कि पाकिस्तान को तीन देशों के अलावा कहीं समर्थन नहीं मिला। पहलगाम हमले के बाद आतंकियों का मकसद देश में दंगे भड़काना था लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में देश एकजुट रहा। ये लोकतंत्र की जीत है। मोदी में विश्वास की जीत है।

एमपी के 6 स्टेशन पर 86 करोड रुपए हुए खर्च

6 स्टेशन पर 86 करोड़ रुपए की लागत से हाईमास्ट लाइटिंग, मॉडर्न वेटिंग रूम, टिकट काउंटर, टॉयलेट और दिव्यांगों के लिए रैंप जैसी यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। प्लेटफॉर्म पर शेल्टर, कोच इंडिकेशन सिस्टम और सूचना के लिए डिजिटल डिस्प्ले लगाए गए हैं। हर स्टेशन पर लोक कला, संस्कृति और परंपराओं की झलक भी देखने को मिल रही है।

6 स्टेशनों की खासियत

नर्मदापुरम : लागत: संस्कृति और 'नर्मदा थीम' पर आधारित है जिसकी **लागत लागत - 26 करोड़ रुपए**

खासियत: यात्रियों के लिए 3100 वर्गमीटर क्षेत्र में सौंदर्गीकृत सर्कुलेटिंग एरिया, 1000 वर्गमीटर में आधुनिक एलईडी लाइटिंग की सुविधा, मां नर्मदा की पुण्यभूमि पर आधुनिकता और आस्था का संगम भी प्रस्तुत करेगा।

सुविधाएं: भोपाल मंडल का पहला सबसे चौड़ा 12 मीटर का फुट ओवर ब्रिज, स्टेशन पर भव्य प्रवेश द्वार, नवनिर्मित प्रतीक्षालय, मॉर्डन टिकट काउंटर, दिव्यांगजन अनुकूल रैंप और शौचालय की व्यवस्था

श्रीधाम रेलवे स्टेशन : लागत: 24 करोड़ रुपए

खासियत: शंकराचार्य स्वरूपानंद की तस्वीरें लगाई गई हैं। वास्तुकला में मध्यप्रदेश की लोककला झलकती है। जो इसे केवल यात्रा का स्थान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुभव का केंद्र बनाती है।

सुविधाएं: एयर कंडीशनर वेटिंग हॉल, एलईडी डिस्प्ले बोर्ड, स्वच्छ शौचालय, दिव्यांगों के लिए रैंप, पार्किंग और ठंडे पानी की सुविधा उपलब्ध कराई गई हैं।

सिवनी रेलवे स्टेशन : लागत: जंगल बुक पर आधारित 14.46 करोड़ रुपए

खासियत: पेंच टाइगर रिजर्व और 'जंगल बुक पर आधारित चित्रकारी, स्थानीय कला और भित्ति चित्र, वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' के तहत स्थानीय उत्पादों का प्रोत्साहन ।

सुविधाएं: भव्य प्रवेश द्वार, सर्कुलेशन क्षेत्र का विस्तार, नई पार्किंग, लिफ्ट और एस्केलेटर, एयर कंडीशनर वेटिंग हॉल, भुवनेश्वर मॉडल पर आधारित शौचालय, हरित परिदृश्य और बगीचे, सीसीटीवी।

कटनी साउथ रेलवे स्टेशन : लागत: 12.88 करोड़

खासियत: सर्कुलेटिंग एरिया में पार्क निर्माण व महाराणा प्रताप की प्रतिमा का निर्माण। प्लेटफॉर्म में शेल्टर व डिस्प्ले बोर्ड।

सुविधाएं: स्टेशन भवन का निर्माण व भव्य प्रवेश द्वार, वीआईपी वेटिंग हॉल, पर्याप्त टिकट काउंटर, दिव्यांगों के लिए शौचालय व रैम्प, हाई लेवल प्लेटफॉर्म कवर शेड, सर्कुलेटिंग एरिया का सौंदर्याकरण।

शाजापुर रेलवे स्टेशन : लागत: 13 करोड़ रुपए

खासियत: 140 वर्ग मीटर में फैला 'आर्ट एंड कल्चर जोन' यात्रियों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यह शाजापुर की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है।

सुविधाएं: नया फुट ओवर ब्रिज, छायादार क्षेत्र, सर्कुलेटिंग एरिया, नया प्रवेश द्वार, टिकट काउंटर, आधुनिक वेटिंग हॉल, एलईडी, दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधाएं, VIP वेटिंग हॉल, सेकंड क्लास वेटिंग हॉल और पार्किंग।

ओरछा रेलवे स्टेशन : लागत: 6.5 करोड़ रुपए,रामराजा की थीम पर डिजाइन

खासियत: रामराजा मंदिर की थीम पर स्टेशन को डिजाइन किया गया है। रामराजा सरकार और हनुमानजी की मूर्ति भी स्थापित की गई हैं।

सुविधाएं: सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार किया गया है। बाउंड्री वॉल पर रामायण के दृश्य बनाए। अलग पार्किंग। टिकट के लिए काउंटर के अलावा एटीवीएम। तीन मीटर चौड़ा एफओबी बनाया है। पे एंड यूज टॉयलेट बनाए।

अवैध कॉलोनियों में चली जेसीबी

हमारा स्वराज। भोपाल

भोपाल में गुरुवार को अवैध कॉलोनियों में बड़ी कार्रवाई की गई। हुजूर तहसील के सिंकराबाद-खरपा में 3 कॉलोनी के गेट जेसीबी की मदद से तोड़ दिए गए। वहीं, बरखेड़ी में भी कार्रवाई हुई। हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया ने बताया, गुरुवार को पुलिस बल के साथ कार्रवाई की गई।

यहां हुई कार्रवाई : ग्राम खरपा में समृद्धि फार्म के गेट को जेसीबी की मदद से तोड़ा गया। ग्राम सिकंदराबाद में नूर खान पिता अनवर खान, आरिफ पिता पीरदास खान की भूमि अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई हुई। ग्राम सिकंदराबाद में अरविंदो कॉलेज के सामने उजमा इम्तियाज पति तारिक सिद्दीकी की भूमि पर अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई की गई।

ग्राम बरखेड़ी बाज्यफत में राधाकृष्ण परिसर एवं एचके बिल्डर्स की अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई की गई।

मरीज के आहार नली में फंस गए थे दांत

बीएमएचआरसी के डॉक्टर ने बिना सर्जरी किए निकाला

हमारा स्वराज। भोपाल

भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) के गैस्ट्रो मेडिसिन विभाग में चिकित्सकीय दक्षता का एक बेहतरीन उदाहरण सामने आया है। ललितपुर (उप्र.) के 54 वर्षीय मरीज के आहार नली में फंसे दांत को बिना ऑपरेशन, एंडोस्कोपी के जरिए सफलतापूर्वक बाहर निकाला गया।

मरीज लंबे समय से भोजन निगलने में असमर्थ थे और तरल पदार्थों के सहारे जीवन व्यतीत कर रहे थे। बोलने में भी उसे कठिनाई हो रही थी। आपातकालीन एंडोस्कोपी की गई मरीज बीएमएचआरसी पहुंचे और उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसी दिन आपातकालीन एंडोस्कोपी की गई। गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग की विजिटिंग कंसल्टेंट डॉ. तृप्ति मिश्रा के नेतृत्व में एंडोस्कोपी टीम ने सावधानीपूर्वक यह जटिल प्रक्रिया पूर्ण की और दांत को सुरक्षित निकालने में सफलता प्राप्त की। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान मरीज की निरंतर मॉनिटरिंग की गई, जिससे संभावित जटिलताओं से बचाव संभव हो सका। एंडोस्कोपी टीम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अब्दुल राशिद, चिकित्सा अधिकारी डॉ अभय मिश्रा, एंडोस्कोपी सुपरवाइज़र शिवजी ठाकुर, नर्सिंग ऑफिसर स्मिता सिंह, टेक्नीशियन राकेश सिरमोलिया, कालूराम मीणा, मो. शारिक और ओबैज़ जमाल फारुखी थे, जिन्होंने मिलकर इस संवेदनशील प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न किया।अब मरीज सामान्य रूप से भोजन कर रहा है और बोलने में भी आराम महसूस कर रहा है।

एनएसयूआई ने बीयू में चस्पा किया कुलगुरु लापता के पोस्टर

ढूंढने वाले को1100 का इनाम देने की घोषणा

हमारा स्वराज। भोपाल

भोपाल स्थित बरकतुल्लाह विश्विद्यालय में एनएसयूआई और कुलगुरु के बीच विवाद खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। NSUI भोपाल जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर ने बहुत ही अनोखा प्रदर्शन किया जिसमें पूरे विश्विद्यालय में कुलगुर के लापता के पोस्टर चिपकाए गए।

तोमर ने बताया कि विगत 7 मई से कुलगुरु लापता है जबकि विश्विद्यालय में मुख्य परीक्षाएं चरम पर है,पूरे प्रदेश में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है परंतु विश्वाविद्यालय का पोर्टल शुरू नहीं हुआ है क्योंकि कुलगुरु लापता है। साथ ही उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांककन शुरू नहीं हुआ है एवं विश्वाविद्यालय के सारे कार्य एवं भुगतान रुके हुए है क्युकी कुलगुरु लापता है।

संबद्धता देने की प्रक्रिया में आ रही कठिनाइयां

भोपाल जिलाउपाध्यक्ष वंश कनौजिया ने बताया कि निजी महाविद्यालयों के निरिक्षण एवं संबद्धता देने की प्रक्रिया में कठिनाइयां आ रही है क्योंकि प्रभार कुलपति के पास में निर्णय लेने की क्षमता नहीं है।तोमर ने कुलपति का पता बताने वाले को 1100 रुपए इनाम देने की घोषणा करी है। साथ ही साथ कुलसचिव को चेतावानी दी है कि यदि लापता कुलगुरु 3 दिन अपना प्रभार भी संभालते है तो एनएसयूआई निजी थाने जाकर कुलगुरु की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाएगी।

सम्पादकीय

फेल परीक्षा परिणाम

परीक्षा की भाषा अगर चोटिल हो, तो परिणामों के मकबरे खूब सजेंगे। स्कूल शिक्षा बोर्ड की जमा दो परीक्षा अपने परिणामों के मकबरे पर आकर दफन हो गई, नतीजा यह कि अब सारा जखीरा बदल कर पुनः घोषित होगा परीक्षा परिणाम। इस स्थिति को सहना न तो परीक्षार्थियों के लिए आसान है और न ही इससे गुजर कर शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन विश्वसनीय होगा। जो भी हो, हिमाचल की जमा दो परीक्षा ने करियर और युवा महत्त्वाकांक्षा के बाजार को पूरी तरह रौंद दिया। पहले एक परीक्षा केंद्र में गलती से अंग्रेजी का प्रश्नपत्र खुलने से इसे आगे सरका दिया गया और अब पुरानी और नई आंसर की के द्वंद्व ने परीक्षा परिणाम को फंसा दिया। परीक्षा की कोख में शिक्षा बोर्ड की लापरवाही पर लापरवाही का जन्म होना पूरी व्यवस्था को असफल करार करता है। इस परीक्षा में स्कूल शिक्षा बोर्ड ही फेल हो गया और अब इसका हर्जाना पूरे छात्र समुदाय को चुकाना पड़ेगा। इसके साथ शिक्षा में परीक्षा के भूत फिर खूंखार निकले और खोखली हो गई मेरिट सूची भी। अरमानों की किश्ती ने जो समुद्र खोजे थे, वे सूख गए क्योंकि नाविक ने लापरवाही की। बेशक स्कूल शिक्षा बोर्ड ने चार अधिकारियों पर कार्रवाई कर दी है, लेकिन परीक्षा को अपाहिज करने वाली तो पूरी व्यवस्था थी। वे तमाम प्रेस नोट और संबोधन खोटे निकले जो इसी परीक्षा परिणाम को दावे से घोषित कर रहे थे। आशंकाएं हमेशा काबिलीयत पर भारी पड़ती हैं, लेकिन परीक्षा परिणामों में से चौकसी और सतर्कता ही छिन्न-भिन्न हो जाए, तो परीक्षार्थियों के सितारे गर्दिश में देखे जाएंगे। आश्चर्य यह कि मल्टीपल च्वाइस क्वेश्चन के सोलह अंकों का मूल्यांकन ही गलत हो गया। बोर्ड के लिए एक पन्ना सरक गया, लेकिन यहां तो जिंदगी से बच्चों के कई पल और राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में सारी हलचल गायब हो गई। अब सवाल यह कि निराशा में परीक्षा परिणाम को कोसें या सुधार के लिए बोर्ड के लारे लप्पे सुनें। परीक्षा परिणाम अब काठ की हांडी पर उबल रही खिचड़ी बन गए, जहां न तो पूरा पकेगा और न ही यह बर्तन इस आंच पर बचेगा। जो भी हो, सरकार को इस लापरवाही के लिए कुछ तो कार्रवाई करनी होगी। यह अब स्कूल शिक्षा बोर्ड का आंतरिक मामला नहीं, हिमाचली बच्चों के भविष्य से खेलने का एक बड़ा अपराध है। एक व्यापक छानबीन ही बता पाएगी कि पहले चुवाड़ी स्कूल में अंग्रेजी का प्रश्नपत्र कैसे गलती से खुल गया और अब गलत आंसर की गले में क्यों अटक गई। गलती पर गलती करके स्कूल शिक्षा बोर्ड ने साबित कर दिया कि छात्रों को आइंदा भी इस पद्धति पर संदेह करना पड़ेगा। बेशक परीक्षा परिणाम की दुरुस्ती हो जाएगी, लेकिन छात्र समुदाय के लिए असमंजस की स्थिति पैदा हो चुकी है। जमा दो की परीक्षा सिर्फ परिणाम की ख्वाहिश नहीं, बल्कि आगे बढऩे की अभिलाषा और राष्ट्रीय मंचों पर मूल्यांकन की आशा है। जाहिर है जहां बाकी बोर्ड अपने छात्रों को पहुंचा पाए हैं, वहां हिमाचली बच्चों का संघर्ष अभी धरातल पर ही जारी है। कुछ दिनों में पुनः सफलता और मेरिट की सूचियां बनेंगी तथा आजमाइश शुरू होगी। आसमान से गिरकर खजूर पर लटकी बारहवीं की परीक्षा ने अपने परिणामों की अब एक नई मंडी खोल दी है। क्या चार अधिकारियों पर कार्रवाई करके स्कूल शिक्षा बोर्ड अपनी गलती का प्रायश्चित कर पाएगा या पूरे संस्थान को गंगा स्नान कराने के लिए सरकार भी ठोस कार्रवाई करेगी। मीनारें यूं ही नहीं टूटतीं, सुराख करने वाले उन्हीं के आसपास होते हैं। यह दायित्व की सीढिय़ों, सरकारी नौकरी के आराम, जवाबदेही के पतन और शिथिल प्रबंधन की बानगी है कि एक पूरी परीक्षा, स्कूलों के वार्षिक फलक और बच्चों की मेहनत का अहम पड़ाव बोर्ड के प्रांगण ने ही लूट लिया।

कागज-पत्तर ढीले और पहुंच का रुतबा

अपने यहां ऐसे भी दीवाने हैं जो कलाई पर घड़ी नहीं हेलमेट बांधते हैं। भारत में ट्रैफिक नियम उस प्रेमिका की तरह हैं जिनसे सब वादा करते हैं पर निभाता कोई नहीं। ट्रैफिक सिग्नल उस बुजुर्ग की तरह होता है जिसे सब सम्मान से देखते हैं, पर जिसकी मानता कोई नहीं। यहां सड़कों पर सबसे विश्वसनीय सहारा न तो हेलमेट है, न सीट बेल्ट, न ही गाड़ी के कागज और न ही ड्राइविंग लाइसेंस। सबसे कारगर सुरक्षा कवच है- मोबाइल। एक बार अपने प्रभावशाली चाचा-मामा का मोबाइल मिलाकर ट्रैफिक पुलसिये को दे दो, बस सारी सिट्टीपिट्टी गुम हो जायेगी। ये फोन कॉल एक ऐसा महामंत्र है जिसे उच्चकोटि की भारतीय चालकों की आत्मा में संस्कार स्वरूप डाल दिया जाता है। बच्चा जब साइकिल छोड़ स्कूटी पर चढ़ता है तो मां कहती है- बेटा! ध्यान से चलाना और पिता कान में फुसफुसाते हैं कि कुछ हो जाये तो चाचा को फोन कर लेना। भारत में अधिकांश गाड़ियां दो इंजन से चलती हैं- एक पेट्रोल या डीजल इंजन और दूसरा प्रभावशाली कनेक्शन इंजन। आम आदमी बेचारा कितना दयनीय प्राणी है! जिसके पास न तो विधायक या पार्षद चाचा-ताऊ का नंबर है, न अपने किसी परिचित उच्चाधिकारी का। ट्रैफिक पुलिस जब रुकवाती है तो चालक जेब से न तो ड्राइविंग लाइसेंस निकालता है, न आरसी या इंश्योरेंस। सबसे पहले वह मोबाइल निकालता है और तेजी से उंगलियां घुमाते हुए अपने परिचित का ताकतवर नाम ढूंढ़ कर कॉल मिलाता है। किसी पॉवरफुल आदमी से पहचान सचमुच अदृश्य बीमा है। ये अदृश्य बीमे हर नियम को सिर के ऊपर से कुदवा देते हैं। देश सड़क पर नहीं बिगड़ता, देश उस मोबाइल कॉल से बिगड़ता है जिसमें कोई ड्राइवर गरजता है कि लो, बात करो मेरे विधायक चाचा से। जहां संबंधों से देश चलता हो, वहां कानून-कायदे मात्र एक बुकलेट बनकर रह जाते हैं और ट्रैफिक पुलिस एक कन्फ्यूज्ड किरदार या यूं कहें कि किसी हिंदी सीरियल का जूनियर आर्टिस्ट बनकर रह जाती है। जब तक गाड़ियों में दस्तावेज़ कम और परिचय-पत्र ज्यादा मिलेंगे, तब तक सड़कें असुरक्षित रहेंगी और कानून हाशिये पर। यह देश तब बदलेगा जब 'कौन जानता है' कि जगह 'क्या सही है' पूछा जायेगा। अन्यथा आगे चालान कट रहे हैं पता चलते ही राहें पलटती रहेंगी और सिफारिशें चालान काटने वालों को चुप करवाती रहेंगी।

लोकलाज के बिना अधूरा है लोकराज

विश्वनाथ सचदेव

बशीर बद्र का एक शे'र है: 'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन यह गुंजाइश रहे/ फिर कभी हम दोस्त बन जायें तो शर्मिंदा न हों।' यहां सवाल फिर से दोस्त बनने का नहीं है। राजनीतिक विरोध का मतलब दुश्मनी नहीं होता। मतभेद स्वाभाविक हैं। राजनीतिक दलों के अस्तित्व का आधार ही भिन्न मतों का होना है। लेकिन इस भिन्नता का अर्थ आपस में गाली-गलौज हो जाए, यह मतलब तो नहीं होता जनतंत्र का।

जनतंत्र का एक नाम लोकराज भी है। समाजवादी विचारक डॉक्टर राम मनोहर लोहिया कहा करते थे, 'लोकराज लोकलाज से चलता है।' अर्थात् कुछ मर्यादा है जनतांत्रिक व्यवस्था की जिनका पालन उन सबको करना चाहिए जो इस व्यवस्था को जीते हैं। इन मर्यादाओं में एक महत्वपूर्ण स्थान उस भाषा का है जो हमारे राजनेता काम में लेते हैं। संसद से लेकर सड़क तक आज जो भाषा हमारी राजनीति को परिभाषित कर रही है, वह इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि हमारे राजनेता या तो ऐसी किसी मर्यादा को जानते नहीं हैं, या फिर उसे मानना नहीं चाहते। दोनों ही स्थितियां चिंताजनक हैं। मर्यादाओं का जानना ज़रूरी है और उनका पालन करना भी। दुर्भाग्य से यह दोनों काम नहीं हो रहे।

भाषा का सीधा रिश्ता व्यक्ति की सोच से है। जैसी आपकी सोच होगी, वैसे ही भाषा भी होगी। इसलिए जब हमारा कोई नेता घटिया भाषा बोलता है तो निश्चित रूप से उसकी सोच भी उतनी ही घटिया होती है। चिंता की बात तो यह है कि हमारे नेताओं को अपनी घटिया सोच की कोई चिंता नहीं दिखती। उन्हें यह लगता ही नहीं कि वह कुछ ग़लत कर रहे हैं। ऐसे में उनसे किसी प्रकार की लोकलाज की अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है? अभी हाल में कांग्रेस के एक बड़े नेता प्रधानमंत्री के लिए तू-तड़ाक की भाषा में बात कर रहे थे। प्रधानमंत्री के संदर्भ में वह कहना चाहते थे कि 'उन्हें इस बात का पता नहीं है', पर उन्हें की जगह उसे कहने में नेताजी को तनिक भी संकोच नहीं हो रहा था। दूसरी तरफ भाजपा के एक सांसद कांग्रेस के इन बड़े नेताजी के संदर्भ में कह रहे थे कि प्रधानमंत्री की तुलना में वह नाली के कीड़े के समान है। यह एक उदाहरण ही इस बात को समझने के लिए पर्याप्त है कि हमारे नेताओं की एक-दूसरे के प्रति सोच कैसी है और हमारी राजनीति का स्तर कितना छोटा होता जा रहा है! यह हमारे नेताओं के बौने होते जाने का उदाहरण भी है और हमारी राजनीति के घटिया स्तर का भी।

अपने राजनीतिक विरोधी की आलोचना करना कतई गलत नहीं है, पर आलोचना और गाली-गलौज में अंतर होता है। लगता है इस अंतर को हमारे नेताओं ने भुला दिया है या फिर याद रखना नहीं चाहते। आज घटिया भाषा हमारी राजनीति का 'नया सामान्य' बन चुकी है। इन नेताओं में प्रतियोगिता इस बात की चल रही है कि लोकलाज की दृष्टि से कौन कितना घटिया है। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे 'संघर्ष' (युद्ध ही कहना चाहिए इसे) के दौरान हमारी सेनाओं ने जनता को इसकी जानकारी देने के लिए सेना की दो महिला अफसरों को नियुक्त किया था। इनमें से एक महिला मुसलमान थी और यह अनायास नहीं हुआ था। बहुत सोच-समझकर इस महिला सैन्य-अधिकारी को यह काम सौंपा गया था। एक अच्छा उदाहरण था यह इस बात का इस देश का हर नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो, आतंकवाद के, और विदेशी हमले के खिलाफ, पहले भारतीय है। लेकिन मध्य प्रदेश के एक मंत्री ऐसा नहीं मानते, इस महिला अधिकारी के लिए उन्होंने जिन शब्दों का उपयोग किया वह कोई भी सभ्य व्यक्ति नहीं करना चाहेगा। लेकिन हमने देखा कि संसद में भी हमारे सांसदों को एक-दूसरे के प्रति घटिया भाषा का इस्तेमाल करने में कोई संकोच नहीं होता। हैरानी की बात तो यह है कि जब एक सांसद महोदय सदन में घटिया भाषा में बोल रहे थे तो वहां उपस्थित पार्टी के बड़े नेताओं में से किसी ने भी उन्हें रोकने की आवश्यकता अनुभव नहीं की! और सेना की महिला-प्रवक्ता के संदर्भ में भी घटिया भाषा और घटिया सोच वाले यह मंत्री जी अभी तक अपने पद पर बने हुए हैं। न उन्होंने इस्तीफा दिया है, न उनसे इस्तीफा मांगा गया है। भाजपा के नेतृत्व ने यह कहकर इस शर्मनाक कांड से पल्ला झाड़ लिया है कि अब मामला न्यायालय में है, इसलिए इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहिए! हैरानी की बात तो यह है कि देशभर में इस मंत्री महोदय की थू-थू हो रही है, पर फिर भी भाजपा का नेतृत्व इस आवाज़ को सुन नहीं रहा!

टी.वी. के विभिन्न चैनलों पर प्रतिदिन बहस होती है। इन बहसों का स्तर भी इतना घटिया हो गया है कि हैरानी होती है इनमें भाग लेने वाले अधिसंख्य प्रतिनिधियों की बुद्धि पर। अपने दल की रीति-नीति का समर्थन करना स्वाभाविक है। कुछ ग़लत भी नहीं है इसमें। लेकिन, अक्सर जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल राजनीतिक-दलों के प्रवक्ता करते हैं उसे किसी भी दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता। दूसरे की लकीर को छोटा करने के लिए अपनी लकीर लंबी करनी होती है, पर हमारे राजनेता और राजनीतिक दलों के प्रवक्ता दूसरे की लकीर को मिटाने की नीति में विश्वास करते हैं, और इस कोशिश में सारी मर्यादाएं लांघ जाते हैं। अमर्यादित भाषा घटिया सोच और बीमार मानसिकता की परिचायक होती है। इस बात को हमारे राजनेता समझना नहीं चाहते।

एक बात और भी है। घटिया अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने पर जब उंगली उठती है तो वे 'मुझे ग़लत समझ गया' अथवा 'मेरे कहने का यह मतलब नहीं था' जैसे वाक्यांशों से अपना बचाव करते हैं। जब टी.वी. नहीं था और रिकॉर्डिंग करने की कोई व्यवस्था नहीं थी तो हमारे राजनेता 'मैंने ऐसा नहीं कहा' का सहारा लेते थे। अब यह नहीं कहा जा सकता, इसलिए वे कहते हैं, 'मेरे कहने का यह अर्थ नहीं था'।

इन नेताओं को बताना होगा कि भाषा की मर्यादा का उल्लंघन किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। अमर्यादित भाषा अराजकता का संकेत देती है। हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी डॉ. अंबेडकर ने कहा था, 'अराजकता का व्याकरण लोकतंत्र को मज़बूत होने से ही नहीं रोकता, उसे कमज़ोर भी बनाता है।' आज हम भाषा की अराजकता के शिकार हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि हमारी राजनीति में यह अराजकता अचानक उभर आयी है।

पहले भी भाषा की मर्यादा भुलाने के उदाहरण मिलते थे, पर सीमित हुआ करती थी यह प्रवृत्ति। आज जिस गति और मात्रा में यह मर्यादा-हीनता उजागर हो रही है, वह डराने वाली है। संयम और शालीनता दोनों हमारी राजनीति के लिए जैसे कोई बाहरी वस्तु बन गये हैं। कड़वाहट और द्वेष का छलक-छलक पड़ना हमारे नेताओं की अमर्यादित भाषा का उदाहरण प्रस्तुत करता है। अपने प्रतिद्वंद्वी को नाली का कीड़ा समझना या कहना घटिया राजनीति है। कई बार ऐसा लगता है कि एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने वाले राजनेता क्या सचमुच में एक-दूसरे के दुश्मन होते हैं? ऐसा नहीं है। ऐसा नहीं होना चाहिए। शालीनता और भद्रता से रहित राजनीति जनतंत्र को बदशक्ल ही बनाती है। जनतंत्र विभिन्न फूलों वाला प्यारा-सा गुलदस्ता है, अमर्यादित आचरण से इस गुलदस्ते की खूबसूरती को नष्ट करने का अवसर और अधिकार किसी को नहीं मिलना चाहिए। किसी भी कीमत पर नहीं।

भारत की जल कूटनीति से पाकिस्तान लाचार

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का निर्णय अब पाकिस्तान पर भारी पड़ने लगा है। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सीज़फायर के निर्णय के बाद सैन्य अभियानों पर अस्थायी विराम लगा है, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पश्चात भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ उठाए गए कई निर्णय और प्रतिबंध यथावत् लागू हैं। इन निर्णयों में सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, पाकिस्तान को निर्यात पर रोक, वीज़ा प्रतिबंध तथा राजनयिक संबंधों में कटौती जैसे कदम शामिल हैं। सीज़फायर के बावजूद पाकिस्तान की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सबसे बड़ी चुनौती सिंधु जल समझौते के स्थगन को लेकर है, क्योंकि अब भारत इन नदियों के जल प्रवाह को अपनी इच्छानुसार नियंत्रित कर सकता है — चाहे तो जल रोके या छोड़े। यह एक निर्विवाद सत्य है कि सिंधु जल समझौते के अंतर्गत सिंधु बेसिन की तीन प्रमुख नदियां— झेलम, चिनाब और सिंधु— का लगभग 80 प्रतिशत जल पाकिस्तान को मिलता था, जबकि भारत को केवल 19.5 प्रतिशत जल प्राप्त होता था। उल्लेखनीय है कि भारत अपने हिस्से के जल का भी लगभग 90 प्रतिशत ही उपयोग करता था। लेकिन सिंधु जल समझौते के स्थगन के बाद भारत ने अपने हिस्से के जल को पूरी तरह रोकना शुरू कर दिया। इसके साथ ही, जब भारत के बांधों में जल स्तर बढ़ता है, तो वह बिना किसी पूर्व सूचना के अतिरिक्त जल छोड़ देता है। पाकिस्तान की कृषि, पेयजल आपूर्ति और उसकी अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा सिंधु बेसिन से बहने वाली नदियों पर निर्भर है। सिंधु बेसिन की छह प्रमुख नदियां पाकिस्तान में प्रवेश करती हैं— जिनमें तीन पूर्वी प्रवाह वाली नदियां हैं सतलुज, ब्यास और रावी और तीन पश्चिमी प्रवाह वाली नदियां हैं झेलम, चिनाब और सिंधु। इनमें से पश्चिमी प्रवाह वाली नदियों— झेलम, चिनाब और सिंधु— का अधिकांश जल पहले पाकिस्तान को मिलता था। लेकिन सिंधु जल समझौते के स्थगन के बाद भारत अब इन नदियों के जल को रोक रहा है। परिणामस्वरूप, पाकिस्तान की कृषि व्यवस्था ही नहीं, अन्य महत्वपूर्ण कार्यकलाप भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सीमा पर संघर्षविराम का जो निर्णय लिया है, उसके बहुतेरे अंतर्राष्ट्रीय कारण हैं। यह स्थिति चूंकि पाकिस्तान द्वारा लाई गयी थी, इसलिए इस मसले पर पाकिस्तान के पीछे हटने पर भारत को सीजफायर मानना पड़ा। अब भारत, सिंधु जल समझौते को स्थगित करने से मिली अनुकूल परिस्थितियों का लाभ उठायेगा जो स्वाभाविक है। वहीं भारत, स्पष्ट कर चुका है कि आपरेशन सिंदूर केवल स्थगित किया गया है, खत्म नहीं। प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता

हास्य नाटक ने बांधा समां रातभर जुटी रही भीड़

हमारा स्वराज । सीहोर/दीवड़िया

बाबा रामदेव मंदिर प्रांगण में चल रहे मार्च में मंगलवार रात हास्य नाटक का मंचन हुआ। गांव और आसपास के इलाकों से आए ग्रामीणों ने नाटक का भरपूर आनंद लिया।

इससे पहले पांच दिन तक गांव की खुशहाली के लिए मार्च का आयोजन हुआ था। उस दौरान अलग-अलग कलाकारों ने प्रस्तुति दी थी। वे अब अपने गृह क्षेत्र लौट चुके हैं। अब नए कलाकारों ने मंच संभाल लिया है। दर्शकों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। मार्च समिति को बार-बार व्यवस्था बनाने में परेशानी हो रही है। पांच दिन पूरे होने के बाद अब ग्रामीण खुद अपनी मनोकामना पूरी होने पर मार्च करवा रहे हैं। कलाकारों की प्रस्तुति इतनी प्रभावशाली है कि लोग रातभर मंचन देखते रहते हैं।

पानी नहीं देने की रंजिश में युवक की हत्या

आरोपी ने आंगन में सोते समय पडोसी को सिर पर लट्ठ मारा, गिरफ्तार

हमारा स्वराज । सागर

सागर की शाहगढ़ पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पानी नहीं देने की रंजिश में एक युवक की डंडे से पीटकर हत्या कर दी थी। वारदात ग्राम झड़ौला की है।

मंगलवार को मृतक के भाई दशरथ रैकवार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया कि 19 मई की रात आरोपी नुन्नू उर्फ मानसिंह ठाकुर और मृतक मुकेश रैकवार के बीच पानी को लेकर विवाद हुआ था। इसी रंजिश में आरोपी ने रात को मुकेश के सिर पर डंडे से हमला कर दिया, जब वह आंगन में सो रहा था।

मुकेश की चीख सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे, जिन्हें देखकर आरोपी फरार हो गया। घायल मुकेश को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां खून की उल्टियां होने के बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

शाहगढ़ थाना प्रभारी संदीप खरे ने बताया कि आरोपी और मृतक एक ही गांव के रहने वाले थे और उनके घर मात्र 50 मीटर की दूरी पर थे। घटना वाली रात आरोपी पानी लेने मृतक के घर गया था, जहां पानी देने से मना करने पर विवाद हुआ। पुलिस की कई टीमों ने छानबीन के दौरान आरोपी की लोकेशन हीरापुर के पास ट्रेस की। शाहगढ़ थाना, बराज और हीरापुर पुलिस चौकी की टीमों ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

रायसेन में आंधी-तूफान से 118 खंभे गिरे, 60 से ज्यादा गांवों में बिजली गुल

मंडीदीप और औबेदुल्लागंज में सबसे ज्यादा नुकसान, आठ फैक्ट्रियों की बिजली भी गई

हमारा स्वराज । रायसेन

रायसेन में आंधी के साथ हुई बारिश से 118 से ज्यादा बिजली के खंभे गिर गए, जिससे 60 गांवों में बिजली गुल हो गई। सबसे ज्यादा मंडीदीप और औबेदुल्लागंज क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। आंधी के कारण कई पेड़ भी धराशायी हुई हैं, जिस कारण कई गांवों में आवागमन भी बाधित हुआ। गुरुवार सुबह से ही बिजली बहाली का काम कंपनी ने शुरू किया।

बुधवार शाम को अचानक से मौसम में बदलाव हुआ और तेज हवा चलने लगी। कुछ ही देर में इसने आंधी का रूप ले लिया। बारिश के साथ आंधी के कारण मंडीदीप क्षेत्र में 18 बिजली के खंभे उखड़ गए।

खंभों के गिरने से तमोट और प्लास्टिक पार्क की 8 फैक्ट्रियों की बिजली भी बाधित हुई। तूफान में हाई टेंशन लाइन का टावर भी टूट गया। नानाखेड़ी और सिमराही क्षेत्र में 6 खंभे उखड़ गए। एक खंभा यहां पुल की दीवार पर गिरा, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गई।

33 केवी और 11 केवी के खंभे गिरे

आंधी के कारण औबेदुल्लागंज क्षेत्र में 33 केवी के पीएस पोल गिर गए। यहां 11 केवी के भी करीब 100 पोल धराशायी हो गए। पोल गिरने से नेशनल हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा। शरमाई गांव में तो करीब 10 बिजली के खंभे गिरे हैं, जिस कारण देर रात तक यहां बिजली गुल रही।

150 कर्मचारी बिजली सप्लाई बहाल करने में जुटे

आंधी के कारण गिरे खंभों को सही करने के लिए बिजली कंपनी ने 150 से ज्यादा कर्मचारियों को मैदान में उतारा है। कंपनी के डीई अनुराग सोनकर का कहना है कि सभी जगह जल्द बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

25 मई तक ऐसा ही रहेगा मौसम

रायसेन में पिछले तीन दिनों से आंधी बारिश का दौर चल रहा है। यहां रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौसम विभाग भोपाल के मुताबिक, 25 मई तक जिले में ऐसा ही मौसम रहेगा।

खाद्य मंत्री ने सीएम का अभिनंदन किया

हमारा स्वराज । सागर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों को समर्थन मूल्य के अलावा 200 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने की घोषणा के बाद इस बार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में प्रदेश में रिकॉर्ड गेहूं खरीदी हुई। करीब 9 लाख किसानों से 77 लाख 75 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। यह पिछले साल की तुलना में 30 लाख मीट्रिक टन ज्यादा है। यानी 62 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदी हुई। इससे किसानों ने व्यापारियों की बजाय उपार्जन केंद्रों में गेहूं बेचा। इस उपलब्धि पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने इंदौर में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। उन्होंने लोकहित में कार्य करने के लिए मुख्यमंत्री को लोकमाता की प्रतिमा भेंट की। मंत्री राजपूत ने बताया कि गेहूं खरीदी में पंजाब के बाद मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। इस बार किसानों को करीब 20 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। समय पर भुगतान से किसानों में खुशी का माहौल है। सरकार ने 1 लाख 25 हजार महिला किसानों से भी गेहूं खरीदा। इससे महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला। राजपूत ने बताया कि इस बार उपार्जन केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई। समय पर परिवहन से 95 फीसदी से ज्यादा गेहूं का भंडारण हो चुका है। पहले बारिश से गेहूं खराब होता था, अब यह समस्या नहीं आई। पहली बार किसानों को 4 से 5 दिन में भुगतान कर दिया गया। इससे किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की नई राह खुली है।

आष्टा में 42 और सीहोर में 33 मिमी हुई बारिश, ओले भी गिरे

हमारा स्वराज । सीहोर

सीहोर में 33 मिमी और आष्टा में 42 मिमी की बारिश दर्ज की गई। ये इस साल की एक दिन में हुई सर्वाधिक बारिश है। कल शाम से जिले में रुक-रुक कर कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश होती रही। तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और कुछ देर ओले भी गिरे। इससे पहले 5 मई को भी सीहोर नगर में ओलावृष्टि हुई थी। मौसम में इस बदलाव से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है। तेज आंधी के कारण नगर के कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति कई घंटे बाधित रही। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी बारिश दर्ज की गई। जावर में 23 मिमी, इछावर में 6 मिमी और श्यामपुर में 4 मिमी बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिक डॉ एस एस तोमर ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस और कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण मौसम में बदलाव देखने को मिला है। जिसके कारण तेज हवा के साथ बारिश हुई और ओले भी गिरे हैं उन्होंने बताया कि अगले 1 दिन भी ऐसा ही मौसम का मिजाज रह सकता है।

लटेरी के जंगल में तेंदुओं का मूवमेंट

30 गांवों में अलर्ट

हमारा स्वराज । विदिशा

विदिशा के लटेरी क्षेत्र के जंगलों में 8 तेंदुओं की मौजूदगी दर्ज की गई है। शमशाबाद रोड पर झुकर जोगी के पास 4 तेंदुओं को देखा गया है। इससे आसपास के गांवों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। विदिशा वन मंडल अधिकारी हेमंत यादव ने बताया कि मांसाहारी वन्य प्राणियों की सक्रियता बढ़ी है। लटेरी के जंगल में लगभग 10 से 15 तेंदुए हैं। वन विभाग ने जंगल से सटे गांवों में मुनादी करवाई है। ग्रामीणों को रात में जंगल की ओर न जाने और मवेशियों को घर के बाहर न बांधने की सलाह दी गई है। वन विभाग ने कहा है कि वन्य प्राणी द्वारा मवेशियों पर हमले की स्थिति में व्यक्ति को अपनी जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए। विभाग मवेशियों के नुकसान का मुआवजा देता है। गर्मी के मौसम में जल स्रोत सूखने से वन्य प्राणी पानी की तलाश में आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आ रहे हैं। वन विभाग ने क्षेत्र के करीब 30 गांवों में सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। इससे पहले ग्यारसपुर के जंगलों में बाघ भी देखे गए थे। वन विभाग 2026 में मांसाहारी वन्य प्राणियों की जनगणना करेगा।

रायसेन में 5 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ और श्रीराम कथा

रामायण के अनुसार चलना जीवन को सार्थक बनाता है : विपिन बिहारी दास महाराज

हमारा स्वराज । रायसेन

रायसेन जिले से 20 किलोमीटर दूर डाबर में 51 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ और श्रीराम कथा का आयोजन चल रहा है। प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु यज्ञ स्थल की परिक्रमा करने और कथा सुनने पहुंच रहे हैं। रात 8 बजे से 12 बजे तक होने वाली कथा में पीठाधीश्वर विपिन बिहारी दास महाराज श्रीराम चरित्र का वर्णन कर रहे हैं।

बुधवार रात को कथा के दौरान उन्होंने कहा कि जीवन में राम की इच्छा से चलना चाहिए, न कि संसार की इच्छा से। कथा व्यास ने सनातन धर्म और परंपरा की रक्षा को प्रथम कर्तव्य बताया। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्राण त्यागने की स्थिति में भी पीछे नहीं हटना चाहिए। श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम ने हर संकट में धैर्य रखा।

26 मई को पूर्ण आहुति

महाराज ने माता-पिता को संतान की अच्छी संगति पर ध्यान देने की सलाह दी और कहा कि जैसी संगति होगी, वैसी ही संतान की रंगत बनेगी। यह धार्मिक आयोजन 26 मई को पूर्ण आहुति और भंडारे के साथ संपन्न होगा।

पीकअप वाहन से जब्त की 120 पेटी बीयर

आलीराजपुर का युवक गिरफ्तार, निसरपुर की ओर से कुक्षी लाई जा रही थी अवैध शराब

हमारा स्वराज । धार

कुक्षी पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एक पीकअप वाहन से 120 पेटी बीयर को जब्त किया है। उक्त शराब निसरपुर की और से कुक्षी लाई जा रही थी। पुलिस ने मौके से अलीराजपुर निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

गुरुवार को कुक्षी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की निसरपुर की और एक पीकअप वाहन में अवैध शराब कुक्षी और आने वाली है। सूचना पर टीम द्वारा बड़वानी कुक्षी रोड पर ईट भट्टो के सामने ग्राम भवरिया में नाकाबंदी की तो निसरपुर की और से एक पीकअप आई।

पुलिस की नाकाबंदी देख चालक ने भागने का प्रयास किया जिसे पुलिस टीमों ने पीछा करते हुए पकड़ लिया। तलाशी लेने उसके पास से 120 पेटी बीयर मिली जिसे पुलिस ने विधवित जब्त कर मौके से सुनिल पिता अलसिंह चौहान निवासी हनुमान बयडी फालिया ग्राम धोलखेड़ा को गिरफ्तार किया है। कुक्षी पुलिस जब्त की गई शराब को लेकर आरोपी से पुछताछ कर रही।

इनकी रही भूमिका अवैध शराब के परिवहन में सफलतम कार्यवाही में कुक्षी थाना प्रभारी राजेश यादव, सहायक उप निरीक्षक निलेश मालवीय, प्रधान आरक्षक नितिन कौशल, आरक्षक वापिन, भुरसिंह, बलराम और संजय बली का विशेष योगदान रहा।

दुकानों का नहीं हुआ निर्णय, नहीं दे रहे वैकल्पिक सुविधा

तीन चरण में तैयार होगा बस स्टैंड पुराना यात्री प्रतिक्षालय तोड़ना शुरू

हमारा स्वराज । धार

शहर में आधुनिक बस स्टैंड का निर्माण लंबा खींचते जा रहा है। पिछले दो साल में निर्माण की गति धीमी रहने से प्रोजेक्ट भी लेट हो गया है। अभी तक 35 फीसदी काम पूरा हो सका है। नपा की भी खूब किरकिरी हो रही है। हालांकि अब नए सिरे उठापटक और निर्माण की गति बढ़ाने के दावे किए जा रहे हैं। इसका तीन चरणों में काम होगा। भोपाल में एमपीआरटीसी की परमिशन के बाद पुराने यात्री प्रतिक्षालय को तोडऩे की प्रक्रिया भी शुरु कर दी है। यहां छत पर लगे पुराने टीनशेड निकाले जा रहे हैं। इसके बाद जेसीबी से स्ट्रक्चर को तोड़ा जाएगा। जबकि कंस्ट्रक्शन एरिया में ठेकेदार ने भी दोबारा काम आरंभ कर दिया है। नपा का दावा है आठ माह में बस स्टैंड का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। पिछले दिनों प्रोजेक्ट के लेट होने पर समाचार प्रमुखता से प्रकाशित किया था। मामला वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद निर्माण की समीक्षा की गई। साथ ही नई रणनीति के तहत योजना तैयार की गई है।

तीन पार्ट में काम करेगी टीमें, मिली अनुमति

नगर पालिका द्वारा निर्माण को तीन पोर्ट में बाटा गया है। इसके लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई है। जिनकी निगरानी में काम किया जाएगा। एक टीम परिसर में रोड निर्माण, दूसरी पोल शिफ्टिंग और तीसरी टीम पुराने यात्री प्रतिक्षालय को ढहाने पर काम करेगी। नए बस स्टैंड में वेटिंग हाल सहित 43 दुकानें बनाई जा रही है। अभी 36 दुकानों का निर्माण किया जा चुका है। इनमें फ्लोरिंग, लाइट और शटर लगाने का कार्य शेष है। जिसे जल्द पूरा किया जाएगा।

10 मई 2023 को हुआ था भूमिपूजन

पुराने स्टैंड की जगह नए स्टैंड का निर्माण किया जा रहा है। जिसके लिए 10 मई 2023 में भूमिपूजन हुआ था। इसे एक साल में बनकर तैयार होना था। लेकिन ठेकेदार द्वारा लेटलाली की जा रही है। जिसका परिणाम ये है कि अभी तक वेटिंग हाल और स्टैंड का स्ट्रक्चर बनकर तैयार नहीं हो पाया। पुराने यात्री प्रतिक्षालय को तोडऩे के साथ बस स्टैंड को विस्तार दिया जाना था। लेकिन कानूनी पेंच होने से यात्री प्रतिक्षालय नहीं तोड़ा गया था। यहां प्रतिक्षालय में करीब 16 दुकानें है। जिन्हें छोडक़र शेष हिस्से को तोडऩे का काम शुरु कर दिया है।

दरअसल शहर में आधुनिक बस स्टैंड 9.71 करोड़ रुपए की लागत से 0.8 हेक्टेयर भूमि पर वर्ष 2023 में शुरू किया गया था, जिसे एक साल में पूरा करने का लक्ष्य था। लेकिन दो साल बीतने के बाद भी केवल 40 प्रतिशत काम ही पूरा हो पाया है। 0.9 हेक्टेयर पर बनने वाले बस स्टैंड में 0.5 हेक्टेयर पुलिस लाईन की जमीन पर निर्माण की अनुमति मिल गई थी। 10.3 हेक्टेयर पर बने एमपीआरटीसी के स्ट्रक्चर वर्तमान यात्री प्रतीक्षालय को ढहाने की अनुमति नहीं मिली थी। नपा द्वारा दो साल से एमपीआरटीसी भोपाल से लगातार पत्राचार किया जा रहा है। अब एमपीआरडीसी के बने स्ट्रक्चर को ढहाने की अनुमति मिल गई है। हालांकि अब भी वर्तमान यात्री प्रतीक्षालय के पास बनी 11 दुकानों पर स्टे क्यो यह दुकानदार यहा से अपनी जींवन का निर्वाहन करते है और यहा दुकान चलाने वाले छोटे व्यपारी का कहना है हमे स्थाई या अस्थाई दुकान देना जिसे हम अपना गुजारा कर सके।

चाइना से पीपीजीआई क्वॉइल की डील में 65 लाख की ठगी

हमारा स्वराज । धार

चाइना से इम्पोर्ट पीपीजीआई क्वॉइल की सप्लाई के नाम पर धार के एक व्यापारी से लाखों की ठगी का मामला सामने आया है। सुरत (गुजरात) के व्यापारी कुनाल जे. भोजक पर आरोप है कि उसने माल की डिलीवरी के नाम पर कुल 65 लाख 38 हजार 836 रुपए वसूल लिए, लेकिन तय समय के बाद भी माल की डिलेवरी नहीं की। पीड़ित व्यापारी ने धार कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ IPC की धारा 406, 409 और 420 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता व्यापारी हुसैन अली निवासी एमजी रो धार ने बताया कि कुनाल जे. भोजक ने चाइना से PPGI क्वॉइल मंगवाकर देने की बात कही थी। दोनों के बीच 66 रुपए प्रति किलो की दर से 100 टन माल का सौदा हुआ था। हुसैन अली ने 20 अगस्त 2024 को RTGS के माध्यम से 31 लाख 75 हजार 200 रुपए का भुगतान किया।

तीन माह बीत जाने के बाद भी जब माल नहीं मिला, तो कुनाल ने जीएसटी के नाम पर अतिरिक्त 10 लाख 84 हजार 836 रुपए की मांग की। इसके जवाब में 11 नवंबर को 5 लाख, 12 नवंबर को 3 लाख 84 हजार 836 और 13 नवंबर को 2 लाख रुपए का भुगतान आरटीजीएस से किया गया। इसके बाद भी माल नहीं मिला तो आरोपी ने शेष 23 लाख 8 हजार 800 रुपए की और मांग की। पीड़ित व्यापारी ने अपने साढू भाई ताहेर भाई मंडपवाला (निवासी सुरत) और तुराप भाई वालों की मौजूदगी में 13 नवंबर को यह राशि नगद दी। कुल मिलाकर हुसैन अली ने 65 लाख 38 हजार 836 रुपए की रकम चुकाई, लेकिन आरोपी द्वारा लगातार माल डिलीवरी में टालमटोल की जाती रही। परेशान होकर पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

नर्मदा पट्टी में बढ़ रहा तेंदुओं का कुनबा, डेढ़ महीने में दो शिकार

शिकारी सक्रिय, वन अमला निष्क्रिय

हमारा स्वराज । धार/खरगोन

जिले की नर्मदा पट्टी में तेंदुओं का कुनबा बढ़ रहा है। बीते कुछ सालों में 10 से अधिक तेंदुओं का रेस्क्यू कर उन्हें जंगलों में छोड़ा जा चुका है। जबकि नर्मदा पट्टी के माकड़खेड़ा, सायता, ढालखेड़ा सहित अन्य स्थानों पर लगातार ग्रामीण तेंदुओं की हलचल देख रहे हैं। तेंदुओं की संख्या बढ़ने के साथ ही शिकारी भी सक्रिय हो गए हैं। पिछले डेढ़ महीने में दो बार शिकार की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद वन विभाग अब तक किसी भी शिकारी को पकड़ने में नाकाम रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन अमला इस मामले में निष्क्रिय बना हुआ है। न तो गश्त बढ़ाई गई है और न ही शिकारियों की पहचान के लिए कोई ठोस कदम उठाए गए हैं। इससे वन्य जीवों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

भोजन, पानी व आसरा आसानी से मिल रहा

वन्य प्राणी विशेषज्ञों के अनुसार नर्मदा पट्टी में तेंदुओं को अनुकूल माहौल मिल रहा है। नर्मदा नदी से पेयजल की पर्याप्त सुविधा है। गर्मी के दिनों में तेंदुओं का पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता है। भोजन के लिए उन्हें क्षेत्र में जंगली सुअर और अन्य जानवर आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। रहने के लिए नर्मदा किनारे पीली मिट्टी के टीले, जंगल और रेत खदानों से बने गड्ढे उपलब्ध है। आवास, भोजन, पानी की सुलभ उपलब्धता के कारण तेंदुओं की संख्या बढ़ी है।

केस 1 : कसरावद वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम मथडाय में 16 अप्रेल को तेंदुआ एक खेत में तार फेंसिंग में लगे शिकंजे में फंसा हुआ था। तेंदुए का पैर जख्मी हो गया था। तेंदुए की दहाड़ सुनकर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी थी। इस घटना में अब तक शिकारी नहीं पकड़े गए हैं।

केस 2 : कसरावद वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम अमलाथा में 20 मई को खेत में झाड़ियों के पास तेंदुआ शिकंजे में फंसा हुआ था। किसानों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। रालामंडल अभ्यारण्य इंदौर की टीम ने ट्रेंकुलाइज कर तेंदुए को ओंकारेश्वर के जंगल में छोड़ा था।

वन मंडलाधिकारी खरगोन रमेश राठौर से सीधी बात

प्रश्न : डेढ माह में दूसरी बार तेंदुए का शिकार हुआ है, क्या कार्रवाई की गई?

उत्तर : कसरावद क्षेत्र में दूसरी बार तेंदुए के शिकार की घटना हुई है। वन अमला सक्रिय है।

प्रश्न : शिकार के मामले में अब तक शिकारी पकड़े नहीं गए हैं?

उत्तर : मथडाय में तेंदुए के शिकार के मामले में जांच जारी है। अमलाथा के मामले में खेत मालिक पर प्रकरण दर्ज किया है।

प्रश्न : तेंदुएं बढ़ रही है, सुरक्षा के क्या उपाए किए जा रहे हैं?

उत्तर : वन्य प्राणियों से रहवासियों की सुरक्षा के लिए एनिडर्स मशीनें लगाने की योजना है। इसके लिए जल्द प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

सरदारपुर और रायण में विकसित होंगे औद्योगिक क्षेत्र

हमारा स्वराज । धार

धार जिले के औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से एक विकास की गति मिलेगी जिसमे कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक सरदारपुर एवं पीथमपुर (रायण) क्षेत्र में नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास की संभावनाओं को लेकर आयोजित की गई थी, जिसमें संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि उपलब्ध भूमि पर आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताओं के पश्चात नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए जा सकते हैं। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि भूमि हस्तांतरण, सिंचाई, पेयजल, सड़क, विद्युत आदि से संबंधित विभाग आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करें, ताकि विकास की प्रक्रिया में कोई बाधा न आए।

भूमि हस्तांतरण और इकाइयों की संख्या: जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के जीएम सुनील त्रिपाठी एवं प्रबंधक नवीन शुक्ला द्वारा बताया गया कि सरदारपुर में 8 हेक्टेयर तथा रायण क्षेत्र में 14 हेक्टेयर भूमि औद्योगिक उपयोग हेतु हस्तांतरित की जा चुकी है। इन क्षेत्रों में कुल 135 औद्योगिक इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रस्तुति और संभावनाएं: बैठक में मैनेजर नवीन शुक्ला द्वारा एक पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्रस्तावित उद्योगों, आवश्यक अधोसंरचनात्मक सुविधाओं, संभावित निवेश, पर्यावरणीय प्रभाव और भविष्य की विस्तार योजनाओं की जानकारी साझा की गई। वही उद्योग के लिए जो भी सुविधा होगी वह दी जायेगी।बैठक में पीथमपुर क्षेत्र के सेक्टर नं. 3 को औद्योगिक उपयोग हेतु विस्तारित करने, बायोफार्मा पार्क, टेक्सटाइल क्लस्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स हब और स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर जैसे अत्याधुनिक प्रस्तावों पर भी विचार किया गया।

खंडवा में राष्ट्रसंत ललित प्रभ बोले-

बोलने की कला में ही लोकप्रियता का राज छिपा हुआ है

हमारा स्वराज । खंडवा

राष्ट्रसंत ललितप्रभ सागर महाराज ने कहा कि इंसान की पहचान ऊंचे पहनावे से नहीं ऊंची जुबान से होती है। हम शब्दों को संभालकर बोलें। शब्दों में बड़ी जान होती है। इन्हीं से आरती, अरदास और अजान होती है। ये समंदर के वे मोती हैं जिनसे अच्छे आदमी की पहचान होती है। उन्होंने कहा कि बोलने की कला राम से सीखो। जहाँ रावण ने कड़क जबान से अपने सगे भाई विभीषण को खो दिया। वहीं, राम ने मीठी जुबान से दुश्मन के भाई को भी अपना बना लिया। उन्होंने कहा बहुत सोच समझकर बंदूक उठाकर गोली चलाए और उससे भी ज्यादा लाख बार सोच समझ कर जुबान चलाएं।

संत प्रवर गुरुवार को सकल जैन संघ द्वारा रामकृष्ण गंज स्थित पुरानी अनाज मंडी में आयोजित प्रवचन माला के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बोलने की कला में ही लोकप्रियता का राज छिपा हुआ है। हमारे करियर में चेहरे की खूबसूरती की भूमिका दस प्रतिशत होती है, पर वाणी की खूबसूरती की भूमिका नब्बे प्रतिशत। अगर काला व्यक्ति भी सही ढंग से बोलेगा तो लोगों को सुहाएगा और गोरा व्यक्ति अंट-संट बोलेगा तो लोगों को खटकेगा। ग्राहक भी उसी दुकान पर ज्यादा आते हैं जहाँ मिठास भरा व्यवहार होता है और घर में भी वही बहू सास को ज्यादा सुहाती है जो मिठास भरी भाषा बोलती है। उन्होंने कहा कि किसी भी रिश्ते के टूटने के पीछे धन, दौलत, जमीन-जायदाद का कम, कड़वी जबान का हाथ ज्यादा हुआ करता है। व्यक्ति जबान का सही उपयोग करके टूटे रिश्तों को भी सांध सकता है और बिगड़े माहौल को अपने अनुकूल बना सकता है।

उन्होंने कहा कि हम किसी को सुख पहुँचाएँ तो अच्छी बात है, पर किसी पर व्यंग्य कसकर उसे दुख भूलचूककर भी न पहुँचाएँ। हम तो व्यंग्य भरी और टेढ़ी बात बोलकर खिसक जाते हैं, पर इससे किसी के दिल को कितनी ठेस पहुँचती है उसका हम अनुमान लगा नहीं पाते। हमें केवल बोलना ही नहीं आना चाहिए, वरन् क्या बोलना, कब बोलना, कैसे बोलना यह भी आना चाहिए। मीठो मीठो बोल थारो कांई लागै... भजन पर खड़े होकर झूमे सत्संग प्रेमी-प्रवचन के दौरान जब संतप्रवर ने 'थे तो मीठा मीठा सगला सुख पासी... का मारवाड़ी भजन सुनाया तो सत्संगप्रेमी खड़े होकर झूमने लगे।

बाबा महाकाल के मेजर जनरल पीएस दहिया ने किए दर्शन

हमारा स्वराज । उज्जैन

मेजर जनरल पी.एस. दहिया, मेजर गौरव अहलावत, कर्नल मुनीश गोयल और कर्नल प्रदीप सिंह ने अपनी उज्जैन यात्रा के दौरान प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भगवान महाकालेश्वर के दर्शन किए और मंदिर परिसर का निरीक्षण किया।श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उपप्रशासक एस.एन. सोनी ने मेजर जनरल दहिया और उनके साथियों का स्वागत किया। इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान, अधिकारियों ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा मानकों पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

RCB का मास्टरस्ट्रोक पड़ेगा सब पर भारी!

200+ स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले धाकड़ की टीम में एंट्री

हमारा स्वराज । नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 के प्लेऑफ में पहुंचने के बाद एक तगड़ा चाल चली हैं। उन्होंने युवा इंग्लिश ऑलराउंडर जैकब बेथेल, जो कि 23 मई को खेले जाने वाले मैच के बाद आरसीबी कैंप छोड़कर घर लौट रहे हैं, उनके रिप्लेसमेंट का एलान हो गया है। आरसीबी ने जैकब बेथेल की जगह न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज टिम सीफर्ट को अपनी टीम में जोड़ा। उन्हें आरसीबी ने अपने आईपीएल 2025 के बाकी बचे हुए मैचों के लिए बतौर रिप्लेसमेंट टीम में शामिल किया गया। उन्हें 2 करोड़ रुपये में खरीदा गया।

दरअसल, न्यूजीलैंड के युवा बल्लेबाज टिम सीफर्ट को आरसीबी ने पहले साथ जोड़ा हैं। वह इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) और दिल्ली कैपिटल्स (DC) के लिए आईपीएल में खेल चुके हैं। उन्होंने IPL 2021 में KKR के लिए सिर्फ एक मैच खेला था, जबकि DC के लिए, उन्होंने दो पारियों में 24 रन बनाए थे। सीफर्ट को 2 करोड़ रुपये में आरसीबी ने शामिल किया गया। 27 मई को लखनऊ के खिलाफ आरसीबी की टीम के आखिरी लीग मैच के लिए वह उपलब्ध होंगे। 30 साल के टिम ने न्यूजीलैंड के लिए 66 टी20I मैचों में 28 की औसत और 142.85 के स्ट्राइक रेट से 1540 रन बनाए हैं, जिसमें 10 अर्धशतक शामिल हैं।

जैकब बेथेल को चोटिल फिल सॉल्ट का रिप्लेसमेंट बनाया गया था। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स (DC) के खिलाफ 12 रन बनाए थे। अगले मैच में उन्होंने 55 रन बनाए और विराट कोहली के साथ 97 रनों की शुरुआती साझेदारी की थी। बाएं हाथ का स्पिनर अभी तक IPL में गेंदबाजी नहीं कर पाया है, जिन्हें मेगा ऑक्शन में 2.60 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। अब जैकब बेथेल को 29 मई से बर्मिंघम के एजबेस्टन में शुरू हो रही इंग्लैंड की तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में चुना गया है। वह नेशनल डियूटी की वजह से टूर्नामेंट को बीच में छोड़कर जा रहे हैं।

IND vs ENG U19

म्हात्रे बने कप्तान, भारत की अंडर-19 टीम का हुआ ऐलान, सूर्यवंशी भरेंगे इंग्लैंड की उड़ान

हमारा स्वराज । नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे पर टीम पांच वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलेगी, जो 24 जून से 23 जुलाई तक होंगे।

इस सीजन इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले आयुष म्हात्रे को टीम का कप्तान बनाया गया है। अभिज्ञान कुंडू को उप-कप्तान चुना गया है और वह 16 सदस्यीय टीम में शामिल दो विकेटकीपरों में से एक हैं। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स के युवा ओपनर वैभव सूर्यवंशी को भी टीम में जगह मिली हैं।

IPL 2025 के सितारों को मिली टीम इंडिया में जगह

दरअसल, आयुष म्हात्रे (Ayush Mhatre) IPL 2025 के उन खिलाड़ियों में से रहे, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से महफिल लूटी। हालांकि, उन्हें सीजन के बीच में चोटिल खिलाड़ी के रिप्लेसमेंट के तौर पर CSK में शामिल किया गया था। उन्होंने अब तक सिर्फ 6 मैचों में 34.33 की औसत और 187.27 के स्ट्राइक रेट से 206 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक भी शामिल है। इस युवा खिलाड़ी ने CSK की तरफ से बेहद ही कम समय में 28 चौके और आठ छक्के लगाए हैं। म्हात्रे की तरह, वैभव सूर्यवंशी इस सीजन के सनसनी रहे हैं। उन्होंने सीजन के बीच में ही अपना डेब्यू किया और 7 मैचों में 36 की औसत और 206.55 के धमाकेदार स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

सूर्यवंशी ने इस सीजन में एक भारतीय द्वारा सबसे तेज शतक (34 गेंदों में) लगाकर रिकॉर्ड तोड़े हैं। अब इन दोनों को आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला हैं। इंग्लैंड दौरे पर इन दोनों सुपरस्टार खिलाड़ियों के टेस्ट फॉर्मेट की भी परीक्षा ली जाएगी। इन दोनों के अलावा हरवंश सिंह, कनिष्क चौहान, आदित्य राणा, और अनमोलजीत सिंह जैसे खिलाड़ी भी भारत अंडर-19 के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

भारतीय अंडर-19 टीम

बल्लेबाजः आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, आर एस अंबरीश

विकेटकीपरः अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान), हरवंश सिंह

बाकी खिलाड़ीः कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, हेनिल पटेल, युधाजित गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद इनान, आदित्य राणा, अनमोलजीत सिंह

स्टैंडबाय खिलाड़ीः नमन पुष्पक, डी दीपेश, वेदांत त्रिवेदी, विकल्प तिवारी, अलंक्रित रापोले (विकेटकीपर)

24 जून (मंगलवार): एक दिवसीय वार्म-अप मैच (लॉफ़बोरो यूनिवर्सिटी)

27 जून (शुक्रवार): पहला एक दिवसीय मैच (होव)

30 जून (सोमवार): दूसरा एक दिवसीय मैच (नॉर्थम्प्टन)

2 जुलाई (बुधवार): तीसरा एक दिवसीय मैच (नॉर्थम्प्टन)

5 जुलाई (शनिवार): चौथा एक दिवसीय मैच (वॉर्सेस्टर)

7 जुलाई (सोमवार): पांचवां एक दिवसीय मैच (वॉर्सेस्टर)

12 जुलाई (शनिवार) से 15 जुलाई (मंगलवार): पहला मल्टी-डे मैच (बेकेनहैम)

20 जुलाई (रविवार) से 23 जुलाई (बुधवार): दूसरा मल्टी-डे मैच (चेम्सफ़ोर्ड)

दिल्ली के कोच को अब समझ में आई टीम की दुर्दाश की असली वजह

हमारा स्वराज । नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल-2025 की शुरुआत शानदार की थी, लेकिन फिर ये टीम बीच में लड़खड़ा गई और नतीजा ये रहा कि अब वह प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। मुंबई इंडियंस ने बुधवार दिल्ली को हरा दिया और इसी के साथ प्लेऑफ का टिकट कटाया। इस हार के साथ दिल्ली का प्लेऑफ में जाने का सपना टूट गया। टीम के कोच हेमंग बदानी ने दिल्ली की वो कमी बताई है जिसके कारण टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी।

दिल्ली के कोच ने कहा है कि उनकी टीम एक तय ओपनिंग सलामी जोड़ी नहीं खोज सकी और इसी कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली ने अभी तक 13 मैचों में कुल सात जोड़ी आजमाईं। उसने जैक फ्रैजर मैक्गर्क, करुण नायर, अभिषेक पोरेल, केएल राहुल और फाफ डुप्लेसी जैसे बल्लेबाजों को बतौर ओपनर अलग-अलग संयोजन में आजमाया।

इस कारण किए बदलाव

दिल्ली के कोच बदानी ने कहा है कि उनकी टीम बार-बार सलामी जोड़ी बदलती रही क्योंकि उसे अच्छी शुरुआत नहीं मिल रही थी। बदानी ने मुंबई के खिलाफ मैच के बाद कहा, 'एक सैटल ओपनिंग जोड़ी तभी संभव है जब आपको आपकी जोड़ी अच्छी शुरुआत देती है। अगर आपको अच्छी शुरुआत नहीं मिलती है तो आप बदलाव करते ही हो और गैप भरने की कोशिश करते हो। उन्होंने कहा, 'अगर आप बाकी टीमों को देखेंगे जिन्हें अच्छी शुरुआत मिली, उनका पावरप्ले अच्छा रहा, हमारे साथ ऐसा नहीं रहा। इसलिए हमें बदलाव करने ही पड़े। हमारे पहले टॉप ऑर्डर में जैक थे। लेकिन ये काम नहीं कर सका। इसके बाद अभिषेक, फाफ डु प्लेसिस, इसके बाद हमने करुण नायर को भी आजमाया। हमें ऐसा कोई नहीं मिला जो ये सुनिश्चित करे की हमें अच्छी शुरुआत मिल सके। हमारी ओपनिंग हमारे लिए चिंता की बात रही थी।

व्यापार

3 बडी वजहों से सेंसेक्स 644 अंक लुढका

निफ्टी 24,609 पर बंद, निवेशकों को 2 लाख करोड़ का नुकसान

हमारा स्वराज । नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार (22 मई) को गिरावट में बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL), एचडीएफ़सी बैंक इन्फोसिस जैसे भारी भरकम वजन वाले शेयरों में गिरावट का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स को नीचे खींचने में सबसे बड़ा रोल रहा। वहीं, ऑटो और कंज्यूमर गुड्स कंपनियों के शेयरों में गिरावट सबसे अधिक रही। हालांकि, एक समय इंडेक्स 1.25% तक गिर गए थे। लेकिन अंत में बाजार में कुछ रिकवरी देखने को मिली।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स (BSE Sensex) आज 270 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 81,323 पर ओपन हुआ। कारोबार के दौरान यह 80,489.92 अंक तक फिसल गया था। अंत में सेंसेक्स 644.64 अंक या 0.79% की गिरावट लेकर 80,951.99 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 5 कंपनियों को छोड़ सभी शेयर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी-50 (Nifty-50) भी गिरावट के साथ 24,733.95 अंक पर ओपन हुआ। बाद में इसमें गिरावट बढ़ गई और कारोबार के दौरान यह 24,462.40 अंक तक फिसल गया था। अंत में यह 203.75 अंक या 0.82 फीसदी गिरकर 24,609.70 पर बंद हुआ।

वेल्थमिल्स सिक्योरिटीज में इक्विटी रणनीतिकार क्रांती बाथिनी ने बताया कि बाजार में गिरावट मुख्य रूप से वैश्विक बाजारों में कमजोरी के कारण है। इसके अलावा अमेरिकी ऋण को लेकर चिंताएं हैं, जिसका अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर भी असर पड़ सकता है। पिछले महीने की तेजी के बाद स्वाभाविक सुधार – ये सभी मिलकर मौजूदा गिरावट के पीछे मुख्य कारण हैं। इससे पहले बुधवार को बाजार चढ़कर बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स यह 410.19 अंक या 0.51% की बढ़त लेकर 81,596.63 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 में भी मजबूती आई और यह 129.55 अंक या 0.52% की मजबूती के साथ 24,813.45 पर क्लोज हुआ। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में तेजी के चलते बाजार बढ़त में बंद हुआ। हालांकि, विदेशी निवेशकों (FIIs) की बिकवाली ने बाजार में तेजी को कम कर दिया।

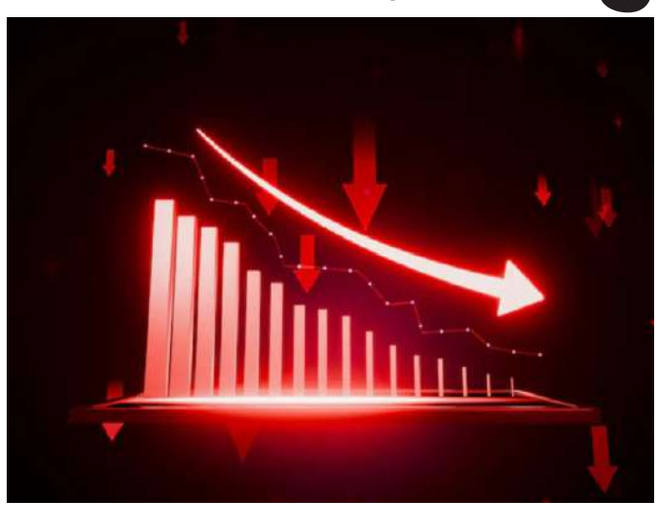

वैश्विक बाजारों का क्या हाल?

एशियाई बाजारों में गुरुवार को गिरावट आई। यह गुरवत वॉल स्ट्रीट में कमजोरी के चलते आई। वहीं, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में तेज वृद्धि ने देश के बढ़ते बजट घाटे को लेकर चिंताओं को फिर से जगा दिया है।खबर लिखने के समय जापान का निक्केई इंडेक्स 0.5 प्रतिशत नीचे था, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.3 प्रतिशत गिरावट में था। कोस्पी में 0.59 प्रतिशत और एएसएक्स 200 में 0.36 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिकी इक्विटी बाजार में बुधवार को बिकवाली के सेंटीमेंट्स ने भारी नुकसान पहुंचाया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.91 प्रतिशत की गिरावट आई। एसएंडपी 500 में 1.61 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 1.41 प्रतिशत की गिरावट आई।

1. एशियाई बाजारों में गुरुवार को गिरावट देखी गई। वॉल स्ट्रीट पर बुधवार को गिरावट के बाद निवेशकों ने अमेरिका में बढ़ती फिस्कल चिंताओं के कारण सतर्कता बरती। जापान का निक्केई 0.7 प्रतिशत से अधिक नीचे था। जबकि टॉपिक्स 0.5 प्रतिशत नीचे था। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.1 प्रतिशत गिरा और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.4 प्रतिशत नीचे था। वॉल स्ट्रीट पर सभी तीन प्रमुख इंडेक्स कम होकर बंद हुए। निवेशकों ने ट्रेजरी यील्ड में उछाल पर नेगेटिव प्रतिक्रिया व्यक्त की। यह इस चिंता से प्रेरित थी कि एक नया अमेरिकी बजट बिल देश के पहले से ही बड़े घाटे पर और दबाव डालेगा।

2. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की फर्स्ट डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने चेतावनी दी है कि अमेरिका अत्यधिक बड़े वित्तीय घाटे (फिस्कल डेफिसिट) चला रहा है और उसे अपने लगातार बढ़ते कर्ज के बोझ पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। यह बयान उन्होंने द फाइनेंशियल टाइम्स को बुधवार को दिए एक इंटरव्यू में दिया।

3. निफ्टी मीडिया को छोड़कर अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशाम में थे। निफ्टी ऑटो सबसे अधिक 1.4 प्रतिशत नीचे रहा। इसके बाद निफ्टी एफएमसीजी और आईटी में क्रमशः 1.27 प्रतिशत और 1.11 प्रतिशत की गिरावट आई। फार्मा, पीएसयू बैंक, निजी बैंक, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और तेल एवं गैस सहित अन्य सेक्टरों में भी 0.5 से 1 प्रतिशत की गिरावट आई।

RBI रिपोर्ट : जापान को पीछे छोड़ने वाला है भारत!

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी

हमारा स्वराज । नई दिल्ली

दुनिया भर में टैरिफ वॉर और कमजोर उपभोक्ता भावना के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का माहौल है। लेकिन इसी माहौल में Indian Economy मजबूती दिखा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की अप्रैल महीने की "स्टेट ऑफ द इकोनॉमी" रिपोर्ट के अनुसार, भारत के इंडस्ट्रियल और सर्विस सेक्टर से जुड़े कई इंडिकेटर अप्रैल में भी अच्छी रफ्तार में रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिकी टैरिफ से जुड़ी खबरों के कारण अप्रैल की शुरुआत में घरेलू शेयर बाजार थोड़ा कमजोर हुआ था। लेकिन जैसे ही अमेरिका ने अपने कुछ टैक्स फैसलों को अस्थायी तौर पर रोका और भारत में जनवरी-मार्च तिमाही में बैंकिंग और फाइनेंस कंपनियों के अच्छे नतीजे आए, शेयर बाजार ने अच्छी रिकवरी दिखाई। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक अर्थव्यवस्था की तस्वीर अब भी धुंधली है क्योंकि दुनियाभर में पॉलिसी में बदलाव हो रहे हैं और कई जोखिम बने हुए हैं। लेकिन भारत की स्थिति को लेकर रिपोर्ट ने "सावधानीभरी आशावाद" जताई है। अप्रैल 2025 में आई IMF की ताज़ा रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि भारत 2025 में दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा और इस साल जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में महंगाई में काफी राहत देखी गई है और यह 2025-26 में तय लक्ष्य के आसपास टिक सकती है। रबी फसल अच्छी होने और इस साल सामान्य से बेहतर मानसून की उम्मीद से गांवों में खपत बढ़ेगी और खाने-पीने की चीजों की महंगाई भी नियंत्रण में रह सकती है।

बजाज ऑटो का बड़ा दांवः ₹7,765 करोड़ में ऑस्ट्रियन बाइक कंपनी KTM खरीदने की तैयारी

हमारा स्वराज । नई दिल्ली

बजाज ऑटो लिमिटेड अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडरी कंपनी बजाज ऑटो इंटरनेशनल होल्डिंग्स के माध्यम से आर्थिक संकट से जूझ रही ऑस्ट्रियाई बाइक मैन्युफैक्चरर कंपनी केटीएम (KTM) में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल करने की योजना बना रही है। बजाज ऑटो इंटरनेशनल होल्डिंग्स बीवी ने 80 करोड़ यूरो (लगभग 7,765 करोड़) के डेट फंडिंग की व्यवस्था की है।

बजाज ऑटो ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि इस कदम और अपेक्षित मंजूरी मिलने के बाद बजाज ग्लोबल KTM कंपनी में एक अल्पसंख्यक निवेशक से बहुलांश हिस्सेदार की भूमिका में आ जाएगी। कंपनी ने कहा कि वह संयुक्त विकास कार्यक्रम के तहत भारत से बाहर ऑपरेट हो रहे KTM बिजनेस को आगे बढ़ाना जारी रखेगी। इसके तहत KTM भारत में वृद्धि, विनिर्माण और बिक्री के साथ-साथ अपने नेटवर्क के माध्यम से 80 देशों को निर्यात करती है। बजाज ऑटो इंटरनेशनल होल्डिंग्स बीवी ने ऑस्ट्रिया में सक्षम न्यायालय की मंजूरी से केटीएम के ऋण पुनर्गठन को आगे बढ़ाने के लिए ऋणदाताओं को स्वीकृत कोटा का भुगतान करके केटीएम व्यवसाय की निरंतरता को सक्षम करने के लिए 80 करोड़ यूरो के डेट फंडिंग की व्यवस्था की है और कंपनी के ऑपरेशन और वर्किंग कैपिटल साईकिल को पुनर्जीवित करने के लिए कंपनी में पूंजी डाला है।

बजाज ऑटो के हाथों में होगा KTM का भविष्य

कंपनी ने कहा, "इस कुल 80 करोड़ यूरो के डेट पैकेज में से, 20 करोड़ यूरो पहले ही कंपनी में डाले जा चुके हैं और शेष 60 करोड़ यूरो डाले जा रहे हैं।" बयान में कहा गया है कि अनुमोदन के अधीन स्वामित्व लेने और महत्वपूर्ण चरण में नकदी उपलब्ध कराकर लोन में कमी लाने के दोहरे कदम से बजाज ऑटो, KTM के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका में आ गई है।

हमारा स्वराज
इंदौर, शुक्रवार, 23 मई 2025

नईसराय में कलेक्टर का औचक निरीक्षण : तीन आंगनवाड़ी केंद्र बंद, पीएचसी में दो डॉक्टर गायब, नोटिस जारी करने के निर्देश

हमारा स्वराज । अशोक नगर

अशोकनगर कलेक्टर आदित्य सिंह ने गुरुवार सुबह नईसराय क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने सबसे पहले सुबह 9 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया, जहां कुछ डॉक्टर अनुपस्थित मिले। कलेक्टर ने अनुपस्थित डॉक्टरों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान तीन आंगनबाड़ी केंद्र बंद मिले। कलेक्टर ने तुरंत महिला एवं बाल विकास विभाग की डीपीओ और तहसीलदार को फोन कर जांच करके रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। केंद्रों के भवनों को बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से उपयुक्त नहीं पाया गया। कलेक्टर ने इनमें आवश्यक बदलाव के निर्देश दिए। साथ ही कुछ आंगनबाड़ी केंद्रों को दुसरे स्थान पर लगाने को भी कहा है। तहसील कार्यालय में अभिलेख दुरुस्ती, नामांकन, बंटवारा और सीमांकन की स्थिति की समीक्षा की। कलेक्टर ने सभी लंबित कार्यों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए।

इसके बाद कालाबाग गांव में कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पंचायत भवन, स्कूल और राशन दुकान का निरीक्षण किया। ग्रामीणों ने बताया कि राशन दुकान महीने में केवल तीन दिन खुलती है। कलेक्टर ने राशन दुकान संचालक को नियमित रूप से दुकान खोलने के निर्देश दिए। उन्होंने सीसी सड़क निर्माण की मांग पर पंचायत को काम करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना और नल जल योजना की प्रगति की भी जानकारी ली।

आंगनबाड़ी केंद्रों में अनियमितता, एसडीएम ने जारी किए नोटिस

हमारा स्वराज । पिछोर

पिछोर अनुविभागीय दंडाधिकारी (राजस्व) शिवदयाल धाकड़ द्वारा खनियाधाना विकासखंड की ग्राम पंचायत बनोटा के आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम पंचायत की दोनों आंगनबाड़ी केंद्र बंद पाए गए। उन्होंने महिला बाल विकास अधिकारी अरविंद तिवारी को जांच करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार 21 मई बुधवार को पिछोर एसडीएम द्वारा बनोटा ग्राम पंचायत में शासकीय उचित मूल्य की दुकान तथा आंगनबाड़ी केंन्द्रो का औचक निरीक्षण किया। ग्रामवासियों द्वारा एसडीएम से नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र न खुलने की शिकायत की तथा बताया कि दोनों ही केंद्र ना ही समय पर कभी खुलते हैं एवं ना ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनीता सेन तथा अर्चना राजोरिया समय पर आती हैं। इसके साथ-साथ ग्रामवासियों द्वारा बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र बनोटा में केंद्र एक एवं केंद्र दो पर बच्चों को दिया जाने वाला पोषण आहार ग्राम उत्थान

स्वसहायता समूह तथा गौड़ बाबा स्वसहायता समूह द्वारा एक या दो दिन ही पूरक पोषण आहार प्रदान किया जाता है। इस गंभीर अनियमिता को लेकर एसडीएम द्वारा महिला बाल विकास अधिकारी को जांच करने के निर्देश दिए। वहीं, जाँच विभाग के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर आजाद यादव द्वारा की गई। इसमें आंगनबाड़ी केंद्र नियमित रूप से संचालित ना होने पर तथा पूरक पोषण आहार की गंभीर अनियमितता की शिकायत सही पाए जाने पर अनीता सेन तथा अर्चना राजोरिया के कारण नोटिस जारी किया। पूरक पोषण आहार की गंभीर अनियमिता को लेकर समूह संचालक को जवाब प्रस्तुत करने को कहा।

गुना के सरकारी स्कूल में अलमारियों को पलटाकर खोजबीन की; दस्तावेज किए क्षतिग्रस्त

स्कूल गेट तोड़कर टीवी, प्रोजेक्टर और डीवीआर ले उड़े बदमाश

हमारा स्वराज । गुना

गुना जिले के पगारा गांव स्थित सरकारी स्कूल में से चोर टीवी, प्रोजेक्टर, DVR चुरा ले गए। चोरों ने स्कूल गेट तोड़ दिया, अलमारी उलटी कर दी। चोरी की यह घटना बुधवार-गुरुवार की रात की है। सुबह स्टाफ के पहुंचने के बाद चोरी का पता लग सका। चोरों ने स्कूल के मेन गेट की चैन और ताला तोड़ा इसके बाद बिल्डिंग के अंदर वाला ताला भी तोड़ दिया।

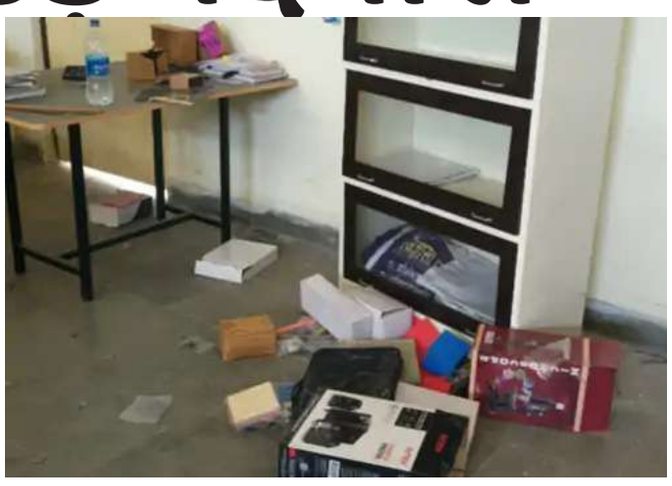

गनीमत रही कि चोर कंप्यूटर वाले कमरे में नहीं घुसे। वहां कई कंप्यूटर और टीवी रखे हुए थे। पगारा गांव में कक्षा 1 से 12 तक स्कूल है। टेबल टेनिस का नोडल सेंटर भी यहीं पर है। वर्तमान में ग्रीष्मकालीन अवकाश के चलते स्कूल बंद है।

प्राचार्य के रूप से डीवीआर निकाला : सबसे पहले वे प्राचार्य के कक्ष में पहुंचे। यहां उन्होंने डीवीआर तोड़कर निकाल लिया। इसके बाद हर एक अलमारी को तसल्ली से खोलकर उसने रखा सामान निकाल लिया। वहीं दस्तावेजों को बाहर निकालकर पटक दिया। इसके बाद उन्होंने स्कूल के लगभग दस कमरों का ताला तोड़ा।

चोर स्मार्ट क्लास में रखी टीवी साथ ले गए। इसके अलावा फिजिक्स लैब में रखा सामान भी उन्होंने चुरा लिया। चोरों ने स्कूल में दोनों मंजिलों पर तसल्ली से खोजबीन की। कई कमरों के गेट तक तोड़ दिए गए। चोर केवल कंप्यूटर रूम में नहीं घुसे। इससे वहां रखे कई कंप्यूटर और टीवी सुरक्षित रहे। चोर कई सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ गए।

स्कूल में नहीं है चौकीदार : प्राचार्य प्रमोद रघुवंशी ने बताया कि बुधवार-गुरुवार की रात चोरों ने स्कूल में धावा बोल दिया। वह टीवी, प्रोजेक्टर, DVR अपने साथ ले गए। इसके अलावा और भी सामान चुराया गया है। रात के समय स्कूल में कोई नहीं रहता। चोरों ने कई दस्तावेजों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। यह बिल्डिंग 1.70 करोड़ की है। यहां कई सुविधाएं हैं लेकिन चौकीदार की व्यवस्था नहीं है। गुरुवार सुबह सूचना मिलने पर कैंट पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। इसके बाद फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट भी स्कूल में पहुंचे। उन्होंने कमरों से फिंगरप्रिंट एकत्रित किए। डीवीआर चोरी हो जाने के कारण अभी चोरों के बारे में कोई क्लू नहीं मिल सका है। कैंट पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिला अस्पताल में अटेंडर को मारे चांटे, जूतों से पिटवाया

हमारा स्वराज । शिवपुरी

शिवपुरी के जिला अस्पताल में एक डॉक्टर ने वार्ड में भर्ती प्रसूता की हालत पूछने पर अटेंडर की मारपीट कर दी। गार्ड को बुलवा कर उसे जूतों से पिटवाया। पूरा मामला सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। पिछोर के ग्राम अगरा निवासी पूजा पत्नी सुरेंद्र रजक को 20 मई की दोपहर तीन बजे प्रसव के लिए भर्ती कराया गया था। प्रसूता को डॉ. अनुराग दंडौतिया ने देखा। जिला अस्पताल में जब डॉ. अनुराग राउंड पर आए तो पूजा के जेठ बृजेश ने कहा कि बहू कल से भर्ती है, हम कल से उसकी स्थिति के बारे में जानना

चाह रहे हैं, परंतु आप कुछ नहीं बता रहे हो। अगर कोई परेशानी हो तो आप बता दें। अगर यहां प्रसव नहीं हो सकता हो तो ग्वालियर रैफर कर दें। पीड़ित के अनुसार इस बात पर डाक्टर नाराज हो गए।पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि इस बात पर डॉक्टर ने गिरेबां पकड़कर मारपीट कर दी। प्रत्यक्षदर्शी युवती के अनुसार डॉक्टर ने पहले अंकल का पर्चा फेंका और फिर उनके साथ मारपीट कर दी। गार्ड ने इस छीनाझपटी में अटेंडर का मोबाइल छीन लिया, जिसे बाद में अस्पताल प्रबंधक ने वापस दिलवाया।

पीड़ित परिवार का कहना है कि बहू भर्ती थी, परंतु डाक्टरों ने उसे पलंग पर डालने के अलावा कुछ नहीं किया था। उन्हें डॉक्टर से पूछना पड़ा कि बहू की स्थिति कैसी है? हालाकि मारपीट और हंगामे के बाद अस्पताल प्रबंधन ने प्रसूता का अल्ट्रासाउंड करवा दिया गया, उसे ड्रिप भी लगवा दी गई और उसकी देखरेख भी बढ़ा दी। सिविल सर्जन बोले- जांच करवा रहे हैं- वहीं दूसरी ओर जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. बीएल यादव ने पत्रकारों को बताया कि इस मामले की जांच करवाने के लिए दो सदस्यीय दल गठित किया है। सीसीटीवी फुटेज भी चेक करवा रहे हैं। फिजिकल वायलेंस उचित नहीं है। अगर डॉक्टर की गलती है तो एनएचएम को पत्र लिख कर उसके खिलाफ कार्रवाई के लिए लिखेंगे। अगर अटेंडर की गलती होगी तो उस पर भी कार्रवाई करवाएंगे। वहीं दूसरी ओर इस आरोपों के बाद जिला अस्पताल के डॉ अनुराग दण्डौतिया ने बताया कि मरीज हाई रिस्क पेसेंट था और डा नीरजा शर्मा के हैंडओवर था, मैंने मरीज को देखा था, परंतु वह गाली गलौज करने लगा, जो मुझे उचित प्रतीत नहीं हुआ। इसी के चलते पूरा घटनाक्रम घटित हुआ।

लोक माता अहिल्याबाई होलकर जी की 300वी जयंती

विधि महाविद्यालय में हुआ युवा संवाद का कार्यक्रम

हमारा स्वराज । अशोक नगर

पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी की 300 वीं जयन्ती के अवसर पर त्रिशताब्दि महोत्सव के अवसर पर उनकी स्मृति में 21 मई से 31 मई तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।

इसी क्रम में आज अशोकनगर के विधि महाविद्यालय में छात्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में भाजपा जिला महामंत्री श्री रविंद्र लोधी जी ने उपस्थित होकर उद्धबोधन दिया।

रविन्द्र लोधी द्वारा देवी अहिल्याबाई जी के जीवन के बारे में प्रेरणादायक प्रसंग छात्र-छात्राओं के साथ साझा किये। कार्यक्रम में विधि महाविद्यालय प्राचार्या गरिमा राठौर द्वारा भी छात्र-छात्राओं के समक्ष उद्धबोधन दिया गया। इस दौरान कार्यक्रम प्रभारी दीपक रघुवंशी, सह प्रभारी कार्तिक शर्मा, अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश कार्यकरिणी सदस्य रामवीर धनोरिया,राहुल यादव, मयंक भार्गव, अजय रघुवंशी, आनंद सेन सहित बडी संख्या महाविद्यालय के छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।

ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर पलटा, किसान की मौत

हमारा स्वराज । अशोक नगर

अशोकनगर में बुधवार रात एक किसान की सड़क हादसे में मौत हो गई। बड़े ओवर ब्रिज पर एक ट्रक ने उनकी ट्रैक्टर को टक्कर मार दी, जिसके नीचे दबने से वो घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां पर उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जोलान गांव निवासी सत्यवान शर्मा(50) फसल बेचने अशोकनगर आए थे। फसल बेच कर लौटते समय बड़े ओवर ब्रिज पर उनकी ट्रैक्टर का पहिया पंक्चर हो गया। उन्होंने पंक्चर बनाने के लिए मेकैनिक को बुलाया। सत्यवान ट्राली और पंचर बनाने वाली मशीन के बीच खड़े होकर काम देख रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक ने ट्रैक्टर मार दी, जिससे वो अन बैलेंस होकर पलट गया और सत्यवान उसके नीचे दब गए। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है एंड मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

स्वामी वन टू वन मीडिया एंड कम्युनिकेशन के लिए मुद्रक/प्रकाशक जितेंद्र कोठारी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ, सांवेर रोड, जिला-इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 219, स्कीम नंबर-134, सेक्टर-बी, स्टार चौराहा के पास, जिला इंदौर (म.प्र.) 452010 से प्रकाशित । संपादक- मृदुल जैन*। स्थानीय सम्पादक - विकास सिंह चौहान। आरएनआई नं. MPHIN/2016/66974, मो. 83570-89000, Email-hamara.swaraj@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार।